22 वर्ष

घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 03- सोमवार 03- नवम्बर 2025,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये ,www.ghatati-ghatana.com,RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2023-2025

जंगलराज में ज्यादा वेतन मतलब आरजेडी को ज्यादा रंगदारी,तेजस्वी ने कांग्रेस की कनपटी पर कट्टा लगाकर सीएम पद लिया:पीएम मोदी

आरा(भोजपुर),02 नवम्बर 2025। पीएम मोदी ने रविवार को भोजपुर और नवादा में जनसभा की। इस दौरान कांग्रेस और आरजेडी उनके निशाने पर रहे। प्रधानमंत्री ने जंगलराज दिलाया, साथ ही दावा किया कि कांग्रेस-राजद में रिश्ते खराब हो चुके हैं और चुनाव बाद एक-दूसरे का सिर फोड़ेंगे। पीएम ने नवादा की सभा में कहा, 'जंगलराज वाले-कांग्रेस वाले आपके हक का सारा पैसा लूट कर अपनी तिजोरी भरते हैं। ये मैं नहीं कह रहा,कांग्रेस के पीएम ने कहा था-अगर मैं 1 रुपए भेजता हूं, तो वो लाभार्थी के पास पहुंचते-पहुंचते 15 पैसा हो जाता है। ये कौन-सा पंजा था जो पैसे खा जाता था। जंगलराज ने नवादा में नरसंहार का दाग लगाया था। हालत ये थी कि किसी कर्मचारी का वेतन बढ़ता था तो वो परेशान हो जाता था। क्योंकि ज्यादा वेतन का मतलब था ज्यादा रंगदारी देना।

कांग्रेस-आरजेडी की राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द रहती है...

बिहार की जनता का अंक गणित अच्छा है, उनका सामान्य ज्ञान भी अच्छा है। ये चारा घोटाले वाले सोचते हैं,लोगों को चरा देंगे। इनकी राजनीति परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार,दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार। अब दोनों परिवार में घमासान है। एक जंगलराज के युवराज हैं,उन्हें लगता है कांग्रेस युवराज की पदयात्रा ने उन्हें ही पैदल कर दिया है। कांग्रेस ने सीएम पद पर हामी तक नहीं भरी। उसके बाद राजद ने भी सबक सिखाने की ठानी। सब जानते हैं कैसे प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ ही राजद ने कैंडिडेट दे दिया।

कनपट्टी में कट्टा सटाकर राजद ने सीएम पद लिया : इससे पहले पीएम ने आरा में सभा की। पीएम ने कहा...कि मैं आपको अंदर की बात बता रहा हूं, नामांकन वापस लेने से पहले बिहार में गुंडागर्दी का खेल खेला गया था। कांग्रेस कभी नहीं चाहती थी कि CM पद पर आरजेडी के नेता का नाम हो। आरजेडी ने भी मौका नहीं छोड़ा। आरजेडी ने कांग्रेस की कनपट्टी पर कट्टा रखकर CM पद चोरी कर लिया। सिर पर कट्टा रखकर कांग्रेस से CM पद की घोषणा करवाई गई। आरजेडी-कांग्रेस में भयंकर झगड़ा बढ़ गया है। चुनाव से पहले इतनी दुश्मनी बढ़ गई है कि चुनाव के बाद ये एक-दूसरे का सिर फोड़ने लगेंगे। ऐसे लोग कभी बिहार का भला नहीं कर सकते हैं।

कट्टा-क्रूरता इनकी पहचान है : पीएम मोदी ने कहा कि, 'विकसित भारत के लिए बिहार का विकसित होना जरूरी है। आरजेडी और कांग्रेस कभी भी बिहार को विकसित नहीं बना सकते हैं। इन लोगों ने बिहार पर कई सालों तक राज किया। इन लोगों ने आपके साथ सिर्फ विश्वासघात किया है। जहां कट्टा, क्रूरता का राज हो, वहां कानून दम तोड़ देता है। जहां कटुता बढ़ाने वाली आरजेडी और कांग्रेस हो, वहां समाज में सद्भाव मुश्किल होता है। जहां आरजेडी और कांग्रेस का कुशासन हो, वहां विकास का नामो-निशान नहीं होता है। जहां करप्शन हो, वहां सामाजिक न्याय नहीं मिलता, ऐसे लोग कभी भी बिहार का भला नहीं कर सकते।

बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए...

बिहार में जंगलराज वापस नहीं आना चाहिए,इसलिए फिर एक बार एनडीए सरकार। एक तरफ हमारा घोषणा पत्र है दूसरी तरफ महागठबंधन वालों का घोषणा पत्र है। इनके मेनिफेस्टो में सब झूठ है। जनता जनार्दन को बुड़बक बूझे हो क्या। ये पब्लिक है सब जानती है। विकसित बिहार,विकसित भारत का आधार है। जब मैं विकसित बिहार की बात करता हूं तो इसका मतलब है बिहार का औद्योगिक विकास,बिहार के युवाओं को बिहार में ही रोजगार है। आरा के इस मंच से मैं कहता हूं कि आपका सपना ही हमारा संकल्प है। इस बार बिहार की जनता एनडीए को रिकॉर्ड सीटें देने जा रही है,ये जंगलराज वाले इस बार सबसे करारी हार का रिकॉर्ड बनाने वाले हैं क्योंकि बिहार की पुरानी पीढ़ी और अब नई पीढ़ी ने ठान लिया है फिर एक बार एनडीए सरकार।

पीएम बोले...बिहार का युवा बिहार में ही काम करेगा...

पीएम ने कहा...बिहार देश की सबसे बड़ी युवा आबादी वाले राज्यों में से एक है,इसलिए एनडीए बिहार में शिक्षा और कौशल पर बहुत जोर दे रहा है। हमारा संकल्प है कि बिहार का युवा बिहार में ही काम करेगा,बिहार का नाम करेगा। इसके लिए हमने आने वाले वर्षों में एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा की है और यह सिर्फ घोषणा नहीं है,यह कैसे होगा,इसकी योजना भी जनता के सामने रखी गई है। आज दुनिया में मेक इन इंडिया को लेकर काफी उत्साह है। हमारा लक्ष्य बिहार को मेड इन इंडिया का केंद्र बनाना है। इसके लिए हम हजारों लघु और कुटीर उद्योगों के नेटवर्क को मजबूत करेंगे।

न तेजस्वी मुख्यमंत्री बनेंगे,न राहुल प्रधानमंत्री,दोनों जगह खाली नहीं:शाह

पटना,02 नवम्बर 2025। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को मुजफ्फरपुर के बिशुनपुर सरैया में चुनावी सभा के दौरान राजद पर निशाना साधते हुए कहा कि आपका वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए होगा। ये लोग कपड़े और चेहरे बदलकर फिर जंगलराज लाएंगे। इन लोगों को वापस मत आने देना। शाह ने कहा कि लालू यादव और सोनिया गांधी को देश की कोई परवाह नहीं है। लालू अपने बेटे को मुख्यमंत्री और सोनिया अपने बेटे को प्रधानमंत्री बनाना चाहती हैं। उनकी यह इच्छा पूरी होने वाली नहीं है क्योंकि जगह ही खाली नहीं है। यहां नीतीश कुमार सीएम हैं और दिल्ली में नरेंद्र मोदी पीएम हैं। दूसरी तरफ,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बेगूसराय में चुनावी सभा को संबोधित किया।

आपको अपना वोट बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए देना है...

शाह ने कहा...आपको किसी उम्मीदवार को विधायक या मंत्री बनाने के लिए वोट नहीं देना चाहिए। आपको बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है। लालू-राबड़ी के 15 साल के राज में बिहार का जो पतन हुआ,वही जंगलराज चेहरे और कपड़े बदलकर फिर से आने वाला है। अगर मुजफ्फरपुर की जनता एनडीए को वोट देने का फैसला कर ले,तो कोई भी जंगलराज वापस नहीं ला सकता।

मोकामा में हत्या हुई,यह ठीक नहीं,कानून कड़ी कार्रवाई करेगा

अमित शाह ने कहा कि मोकामा में हत्या हुई। यह ठीक नहीं है। गलत हुआ। कानून कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने बताया कि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पुलिस को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। अनंत सिंह के टिकट देने के मुद्दे पर अमित शाह ने कहा...वे जदयू की टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

56 इंच की छाती वाला डरपोक है : राहुल गांधी

राहुल ने कहा...मोदी डरपोक हैं। मोदी जी ट्रम्प से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है कि मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रम्प अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया, लेकिन पीएम के मुंह से एक आवाज नहीं निकली। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मोदी से ज्यादा दम इंदिरा गांधी में था। उन्होंने अमेरिका को चुप करा दिया था। ट्रम्प कहता है मैंने मोदी को फोन लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर रोको और फिर ऑपरेशन रुक गया। मैं मोदी जी को चैलेंज करता हूं बिहार आकर कहें कि ट्रम्प झूठ बोल रहा है। राहुल ने आगे कहा...मोदी सिर्फ अमेरिका के राष्ट्रपति से नहीं डरते, उनका कंट्रोल अडाणी और अंबानी के भी हाथ में हैं। चुनाव के दिन तक आप जो भी कहेंगे मोदी वो करेंगे। चुनाव के बाद न आएंगे, न कुछ करेंगे। अगली बार जब वो आए तो कहना मोदी जी हम आपको ये सीट जितवा देंगे,आप डांस करो, वो कर देंगे।

इसरो ने 'बाहुबली' रॉकेट अंतरिक्ष में भेजा,नौसेना की तीसरी आंख बनेगा

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने रविवार को सबसे भारी 'बाहुबली' रॉकेट जीसैट-7 लॉन्च करके इतिहास रचा दिया। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन केंद्र से अंतरिक्ष में भेजा गया यह उपग्रह भारतीय नौसेना के लिए बहुत खास है। स्वदेश में डिजाइन और विकसित इस उपग्रह से न केवल समुद्री इलाकों में संचार सुविधा मिलेगी,बल्कि अंतरिक्ष में नौसेना के लिए तीसरी आंख का काम करेगा। इसरो ने रविवार शाम को निर्धारित 5.26 बजे अपना अब तक का सबसे भारी सैटेलाइट सीएमएस-03 देश को जमीन से लॉन्च कर दिया। यह सैटेलाइट 4410 किलो वजन का है और इसे एलवीएम3-एम5 रॉकेट के माध्यम से गेसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में भेजा गया है। यह भारत के लिए एक अहम उपग्रह माना जा रहा है, क्योंकि ऑपरेशन 'सिंदूर' जैसे महत्वपूर्ण अभियानों से सीखे गए सबकों को इससे मजबूती मिलेगी। इस उड़ान में भारत का सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 अंतरिक्ष में भेजा गया है। सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है, जो भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत महासागरीय क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। भारतीय नौसेना के मुताबिक

यह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार उपग्रह होगा। यह उपग्रह नौसेना की अंतरिक्ष आधारित संचार और समुद्री क्षेत्र जागरुकता क्षमताओं को मजबूत करेगा। स्वदेश में डिजाइन और विकसित इस उपग्रह में कई अत्याधुनिक घटक शामिल हैं, जिन्हें विशेष रूप से भारतीय नौसेना की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के इस युग में जीसैट-7आर आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के भारतीय नौसेना के अटूट संकल्प का प्रतीक है।

दुलारचंद यादव हत्याकांड में गिरफ्तार अनंत सिंह को भेजा गया जेल

पटना,02 नवम्बर 2025। बिहार के मोकामा में जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या के मामले में गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के नेता और मोकामा से पार्टी के उम्मीदवार अनंत सिंह को रविवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। जन सुराज उम्मीदवार पीयूष प्रियदर्शी के समर्थक और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता दुलारचंद यादव की बीते गुरुवार को हत्या की दी गई थी। इस हत्याकांड में दुलारचंद यादव के परिजनों ने अनंत सिंह और उनके समर्थकों पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था। इसी मामले में शनिवार की देर रात अनंत सिंह को उनके गांव से उनके दो साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को पूछताछ के लिए पटना लाया गया और पूछताछ के बाद आज उन्हें अदालत में पेश किया गया। अदालत ने आरोपितों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। दुलारचंद यादव के पोते द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी में सीधे तौर पर अनंत सिंह, उनके भतीजों और अन्य को आरोपी बनाया गया है।

कांग्रेस ने बीआरएस दफ्तर पर किया हमला तनाव के बाद खम्मम में सुरक्षा बढ़ाई गई...

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय कार्यालय पर हमला किया। हमला में कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी की गई, फर्नीचर जलाया गया और कांग्रेस का झंडा फहरा दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा गया कि कांग्रेस कार्यकर्ता झंडा थामे बीआरएस ऑफिस में घुसते और नारेबाजी करते दिखाई दिए। इस दौरान दोनों पक्षों में झड़प हुई और कुछ लोग घायल भी हुए। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।घटना के तुरंत बाद पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। सुरक्षा के मद्देनजर बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनका ऑफिस बीआरएस शासन के दौरान जबरन कब्जा लिया गया था। उनके अनुसार, तब के विधायक ने पुलिस सुरक्षा में कांग्रेस कार्यालय को बीआरएस के गुलाबी रंग में रंगवा दिया था। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि उनका मकसद अपने ऑफिस को वापस लेना है और उन्होंने प्रदर्शन के दौरान 'हमें हमारा ऑफिस वापस दो' के नारे लगाए।

'राजनीति में भी चाहिए खिलाड़ी की भावना': प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

डॉ. रमन सिंह की निष्ठा की प्रशंसा करते हुए कहा,क्रिकेट की तरह राजनीति में भी टीम भावना ज़रूरी

- विधानसभा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री डॉक्टर रमन सिंह को लेकर प्रधानमंत्री ने कही यह बात
- पार्टी का कार्यकर्ता अपने समर्पण और परिश्रम से लोकतंत्र को सशक्त बना सकता है,यह डॉक्टर रमन सिंह से सीखना चाहिए : प्रधानमंत्री

रवि सिंह

रायपुर,02 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वें वर्ष (रजत जयंती वर्ष) के अवसर पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्योत्सव समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति और संगठन जीवन पर गहरी सीख देने वाला वक्तव्य दिया, प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीति में भी खिलाड़ी की भावना अपनाने की आवश्यकता है, प्रधानमंत्री ने कहा...'क्रिकेट में खिलाड़ी कभी कप्तान होता है,तो कभी टीम की जीत के लिए खिलाड़ी बनकर खेलता है, राजनीति में ऐसा कम देखने को मिलता है, डॉ. रमन सिंह ने दिखाया है कि बिना पद की इच्छा के भी पार्टी और लोकतंत्र के प्रति समर्पण कैसे किया जा सकता है,' प्रधानमंत्री के इस बयान को राजनीति के भीतर व्याप्त परिवारवाद और पदलोलुपता पर परोक्ष टिप्पणी माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच से उद्बोधन के दौरान ऐसा कुछ कहा जो चर्चा का विषय बन गया और यह चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि उन्होंने कहीं न कहीं ऐसा कुछ कहा जो परिवारवादी राजनीति पर चोट थी और राजनीतिक महत्वाकांक्षा वाले राजनीति से जुड़े लोगों के लिए एक सीख थी जो पद लोलुपता की चाह में एक दूसरे को एक ही झंडे तले पराजित करने की सोच रखते हैं,प्रधानमंत्री ने प्रदेश गठन के रजत जयंती अवसर पर अपने उद्बोधन में पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व निभा रहे डॉक्टर रमन सिंह

का उदाहरण देते हुए कहा कि क्रिकेट में अक्सर देखने को मिलता है कि कोई खिलाड़ी कभी टीम का कप्तान होता है और जरूरत पड़ने पर टीम की जीत के लिए वह खिलाड़ी भी बनकर खेलता है और यह या ऐसा राजनीति में देखने को मिलता, प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉक्टर रमन सिंह को कभी मुख्यमंत्री थे आज वह विधानसभा में सदस्य बनकर अपनी भूमिका निभा रहे हैं और वह ऐसा बिना किसी नाराजगी या शिकायत कर रहे हैं जो दुर्लभ है राजनीति में देखने को नहीं मिलता।

कार्यकर्ता ही लोकतंत्र की नींव

प्रधानमंत्री ने कहा कि पार्टी का सच्चा कार्यकर्ता वही होता है जो हर भूमिका में अपनी निष्ठा और ईमानदारी बनाए रखे,उन्होंने कहा कि किसी दल की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं के समर्पण से तय होती है,न कि नेताओं की महत्वाकांक्षा से'एक कार्यकर्ता का समर्पण और परिश्रम ही लोकतंत्र की सबसे मजबूत नींव है, राजनीति में अनुशासन और त्याग जरूरी है,' : प्रधानमंत्री मोदी।

'हर कार्यकर्ता को अवसर मिलना चाहिए '

प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे खेल में कप्तानी बदलती रहती है,वैसे ही राजनीति में भी नए चेहरों को आगे आने का मौका देना चाहिए, उन्होंने कहा कि मुख्य पद पर एक ही व्यक्ति का बने रहना स्वस्थ लोकतंत्र के लिए उचित नहीं। रायपुर से निकला राष्ट्रीय संदेश-प्रधानमंत्री मोदी के इस उद्बोधन को केवल छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे देश की भाजपा इकाइयों के लिए एक वैचारिक संदेश माना जा रहा है,कि पार्टी का बल सत्ता से नहीं, बल्कि संगठन की निष्ठा और कार्यकर्ताओं के त्याग से आता है।

क्या यह बिहार के लिए भी संदेश है?

प्रधानमंत्री मोदी का यह उद्बोधन ऐसे समय में आया है जब बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां चरम पर हैं और भाजपा वहां गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में है, राजनीतिक हलकों में यह चर्चा जोरों पर है कि प्रधानमंत्री का यह बयान बिहार के नेताओं और गठबंधन सहयोगियों के लिए भी एक परोक्ष चेतावनी है, कि अनुशासन और समर्पण के बिना कोई भी दल या गठबंधन स्थिर नहीं रह सकता, यह भी माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ की धरती से यह संदेश देकर न केवल कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया, बल्कि बिहार सहित देशभर के भाजपा संगठनों को 'टीम भावना' और 'अनुशासन' का महत्व याद दिलाया।

डॉ. रमन सिंह के बहाने प्रधानमंत्री का बड़ा संदेश...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने उद्बोधन में डॉ. रमन सिंह का उदाहरण देते हुए केवल एक व्यक्ति की प्रशंसा नहीं की,बल्कि राजनीति और संगठन जीवन को लेकर एक गहरा संदेश दिया, प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट किया कि राजनीति में परिवारवाद और अति महत्वाकांक्षा की जगह परिश्रम,अनुशासन और समर्पण को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे खेल में कभी एक व्यक्ति कप्तान बनता है और कभी दूसरा,वैसे ही राजनीति में भी नेतृत्व का अवसर समय और परिस्थिति के अनुसार बदलना चाहिए, प्रधानमंत्री का यह संकेत साफ था कि किसी भी दल में एक ही व्यक्ति का लंबे समय तक शीर्ष पद पर बने रहना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुकूल नहीं है,उन्होंने कहा कि मुख्य पद पर बैठे नेता को भी दूसरों को अवसर देना चाहिए,क्योंकि संगठन की ताकत तभी बढ़ती है जब हर कार्यकर्ता को जिम्मेदारी निभाने का मौका मिले। 'डॉ. रमन सिंह कभी मुख्यमंत्री रहे, आज विधानसभा अध्यक्ष के रूप में सेवा कर रहे हैं। यह विनम्रता और समर्पण राजनीति में दुर्लभ है।': प्रधानमंत्री मोदी,प्रधानमंत्री का यह संदेश प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए एक सीख के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में सफलता का मार्ग केवल अनुशासन,निष्ठा और ईमानदारी से दायित्व निभाने में है न कि गुटबाजी या दूसरों की योग्यता को दबाने की प्रवृत्ति में, राजनीतिक जानकारों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश भाजपा के हर स्तर–बड़े नेताओं,पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं–के लिए समान रूप से लागू होता है,उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी में अपनी जगह बनाने या सुरक्षित रखने के लिए किसी अन्य की काबिलियत को असफल करने का प्रयास नहीं होना चाहिए।

भाजपा के लिए संदेश,दूसरों के लिए सीख...

प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश के भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए एक दिशा माना जा रहा है, उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में अवसर और सम्मान मेहनत से मिलता है, न कि गुटबाजी से, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि प्रधानमंत्री ने यह संदेश देकर पार्टी के भीतर अनुशासन और एकता बनाए रखने की चेतावनी भी दी है। कांग्रेस के पतन का उदाहरण भी दिया संकेत में-प्रधानमंत्री ने बिना नाम लिए कहा कि जब राजनीति में पदलोलुपता और गुटबाजी हावी हो जाती है तो सत्ता का पतन निश्चित होता है, छत्तीसगढ़ की पिछली कांग्रेस सरकार के पतन को भी उन्होंने इसी प्रवृत्ति का परिणाम बताया।

घटती घटना
सत्य के साथ...जनहित में बात...

संपादकीय

भारतीय सेवा क्षेत्र का विरोधाभास

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख वाहक है। इस क्षेत्र में करीब 18.8 करोड़ लोगों को रोजगार मिला है और यह सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में करीब 55 फीसदी का योगदान करता है। इस क्षेत्र के रोजगार के रुझानों और जीवीए से संबंधित नीति आयोग की दो रिपोर्ट बताती हैं कि सेवा क्षेत्र के सुर्खियों वाले आंकड़ों से परे इसमें विरोधाभास की एक कहानी भी छिपी हुई है। बीते छह साल में इस क्षेत्र में 4 करोड़ रोजगार जुड़े और यह निर्माण क्षेत्र के साथ देश में सबसे अधिक कामगारों की खपत वाला क्षेत्र बनकर उभरा। हालांकि कोविड के बाद इस क्षेत्र की रोजगार प्रत्यास्थता (जो दर्शाती है कि आर्थिक वृद्धि किस हद तक नौकरियों में परिवर्तित होती है) तेजी से बढ़कर 0.63 हो गई है। इसके बावजूद यह पुनरुद्धार विरोधाभासी वास्तविकताओं को छिपाए हुए है। सूचना प्रौद्योगिकी (प्रत्यास्थता 0.88), वित्त (प्रत्यास्थता 0.95), स्वास्थ्य देखभाल (प्रत्यास्थता 0.94) और परिवहन (प्रत्यास्थता 0.89) जैसे उच्च-मूल्य वाले क्षेत्र डिजिटलीकरण,प्लेटफॉर्म आधारित अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक मांग के कारण फल-फूल रहे हैं। लेकिन ये उप-क्षेत्र कामकाजी वर्ग के केवल एक छोटे हिस्से को ही रोजगार प्रदान करते हैं। इसके विपरीत,व्यापार,शिक्षा और व्यक्तिगत सेवाएं जो पारंपरिक रूप से रोजगार की स्तंभ रही हैं,श्रम-प्रधान तो बनी हुई हैं, लेकिन इनमें नौकरियां देने की क्षमता कमजोर होती जा रही है। दूरसंचार (0.79 ऋणात्मक) और बीमा (1.31 ऋणात्मक) जैसे उप-क्षेत्रों में लगातार ऋणात्मक प्रत्यास्थता दर्ज की गई है,जो यह दर्शाता है कि इन क्षेत्रों में पूंजी-प्रधान विकास हो रहा है,जो नौकरियां उत्पन्न करने के बजाय उन्हें प्रतिस्थापित कर रहा है। वृद्धि और रोजगार की यह असंगति ही भारतीय सेवा उद्योग की कहानी को परिभाषित करती नजर आ रही है। आधुनिक सेवाएं पूंजी गहनता वाली हैं। इनकी उत्पादकता अधिक है लेकिन इनमें सीमित रोजगार तैयार होते हैं। पारंपरिक सेवाएं श्रम-प्रधान हैं लेकिन कम मूल्य वाली हैं और आजीविका को बनाए रखती हैं। इसका नतीजा एक विशाल नदारद 'मध्यम वर्ग' के रूप में निकलता है। यानी उच्च वर्ग की वैश्विक रूप से जुड़ी नौकरियों और करोड़ों अनौपचारिक सेवा आधारित आजीविकाओं के बीच एक अंतर जिनमें स्थिरता या सामाजिक सुरक्षा का अभाव है। सेवा क्षेत्र के लगभग 87 फीसदी कामगार औपचारिक सुरक्षा तंत्र से बाहर हैं,और शिक्षित लोगों में भी अनौपचारिकता बनी हुई है। लैंगिक यानी स्त्री-पुरुष का अंतर भी उतना ही चौंकाने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 10.5 फीसदी महिलाएं सेवा क्षेत्र में कार्यरत हैं,जबकि शहरी क्षेत्रों में यह आंकड़ा 60 फीसदी है। ग्रामीण महिलाएं प्रतिदिन केवल लगभग 213 रुपये कमाती हैं, जो पुरुषों के पगार का आधा भी नहीं है। हालांकि,सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों में महिलाएं आमतौर पर पुरुषों से अधिक कमाती हैं। यह भारत के श्रम बाजार में समानता का एक दुर्लभ उदाहरण है। भू-राजनीतिक रूप से भारत का सेवा क्षेत्र देश की व्यापक आर्थिक असमानता को ही दर्शाता है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु उच्च मूल्य वाली सेवाओं मसलन सूचना प्रौद्योगिकी,वित्त और अचल संपत्ति में दबदबा रखते हैं। बिहार,मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पारंपरिक कम उत्पादकता वाली गतिविधियों मसलन खुदरा और व्यापार के क्षेत्र में सक्रिय हैं। शोध से यह पता चलता है कि किसी राज्य की सेवा क्षेत्र की गहनता और प्रति व्यक्ति आय के बीच एक मजबूत संबंध है। यानी जितना अधिक कोई राज्य आधुनिक सेवाओं पर निर्भर करता है, वह उतना ही समृद्ध होता है। सकारात्मक बात यह है कि पिछड़ते राज्यों में अब सेवा क्षेत्र में तेजी से वृद्धि के शुरुआती संकेत दिख रहे हैं, भले ही यह समानता पूरी तरह नहीं आई हो। ये आंकड़े स्पष्ट रूप से इस बात पर जोर देते हैं कि इस क्षेत्र में अगले चरण का ढांचागत बदलाव रोजगार आधारित होना चाहिए। इस संबंध में कई नीतियां प्रस्तावित हैं। इनमें सेवा क्षेत्र के उपक्रमों को संगठित स्वरूप प्रदान करना और गिग कर्मियों तथा छोटे एवं मझोले उपक्रमों से जुड़े लोगों का संरक्षण आवश्यक है।

व्यवस्था के शहीद

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

रामभरोसे का नाम ही रामभरोसे नहीं था, उनका पूरा जीवन ही राम के भरोसे बीता था। उन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी ईमानदारी की पगडंडी पर चलकर गुज़ारी थी। जब लोग शॉर्टकट से हाईवे पर निकल जाते, तब भी रामभरोसे काका अपनी उसी पगडंडी पर संतुष्ट थे। उनका मानना था कि ईमानदारी की सूखी रोटी,बेईमानी के हलवे से कहीं ज़्यादा मीठी और सुकून देने वाली होती है। वह अपने बच्चों को भी यही सिखाते थे,'बेटा,चाहे कुछ भी हो जाए,अपनी नीयत साफ़ रखना। ऊपरवाला सब देख रहा है।'एक दिन ऊपरवाले ने शायद दूरबीन लगाकर देख ही लिया। सरकार की 'वरिष्ठ नागरिक सम्मान योजना' में रामभरोसे का नाम निकल आया। इनाम था पचास हज़ार रुपये! गाँव में खबर फैली तो ऐसा लगा मानो रामभरोसे ने कोई जंग जीत ली हो। लोग बधाइयाँ देने आने लगे। किसी ने कहा, 'देखा काका,आपकी ईमानदारी का फल मिल ही गया।' रामभरोसे की बूढ़ी आँखों में उम्मीद की एक नई चमक तैर गई। उन्होंने सोचा, अब बेटे की पढ़ाई और बेटी के ब्याह की चिंता थोड़ी कम होगी। अगले दिन रामभरोसे फटी चप्पलें घिसटते हुए ज़िला मुख्यालय पहुँचे। सरकारी दफ़्तर में घुसते ही उन्हें लगा कि वह किसी और लोक में आ गए हैं। चारों तरफ फाइलों के ढेर,धूल और बाबुओं की ऊँघती हुई दुनिया। उन्होंने एक बाबू से डरते-डरते पूछा,'जी, वो सम्मान योजना वाला इनाम...।' बाबू ने बिना नज़र उठाए कहा, 'कमरा नंबर 42,बड़े बाबू से मिलो।' रामभरोसे कमरा नंबर 42 पहुँचे। बड़े बाबू पान चबाते हुए किसी से फोन पर अपनी सास की बीमारी का ज़िक्र कर रहे थे। रामभरोसे ने इंतज़ार किया। जब फोन रखा गया तो उन्होंने अपना परिचय दिया।

बड़े बाबू ने उन्हें ऊपर से नीचे तक देखा और एक लिस्ट थमा दी,'ये सब कागज़ ले आओ, तब बात होगी।'उस लिस्ट में ऐसे-ऐसे प्रमाण-पत्रों के नाम थे, मानो रामभरोसे को अपनी ईमानदारी नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व का सबूत देना हो।'जीवित होने का प्रमाण-पत्र','चरित्र प्रमाण-पत्र','स्थाई निवासी प्रमाण-पत्र' और न जाने क्या-क्या। रामभरोसे ने कहा,'बाबूजी,मैं तो आपके सामने ज़िंदा खड़ा हूँ।'बाबू हँसे,'यहाँ आदमी नहीं,कागज़ बोलता है काका। जाओ,सब तैयार करवा कर लाओ। 'अब रामभरोसे का असली संघर्ष शुरू हुआ। कभी तहसील,कभी कचहरी। हर दफ़्तर में एक नया बाबू,और हर बाबू की अपनी अलग मांग। 'जीवित होने का प्रमाण-पत्र'बनवाने गए तो वहाँ का क्लर्क बोला, 'आज साहब नहीं हैं, कल आना।' कल गए तो पता चला साहब दौरे पर हैं। एक हफ़्ते बाद जब साहब मिले तो उन्होंने कहा,'पहले सरपंच से लिखवाकर लाओ कि तुम वाकई ज़िंदा हो।'इस दौड़कूप में महीने बीतने लगे। चप्पलों की तरह रामभरोसे की उम्मीदें भी घिसने लगी थीं। घर की जमापूंजी आने-जाने के किराए और चाय-पानी में ख़त्म हो रही थी। एक दिन एक छोटे बाबू ने उन पर तरस खाकर कहा,'काका, ऐसे काम नहीं होगा। थोड़ा 'वज़न' रख दो फाइल पर,तो फाइल दौड़ने लगेगी।'रामभरोसे को इसका मतलब समझते देर न लगी, लेकिन अपनी साठ साल की ईमानदारी को वह यूँ ही कैसे दाँव पर लगा देते? उन्होंने मना कर दिया। अब उनकी फाइल और धीमी गति से चलने लगी। कभी एक मेज़ से दूसरी मेज़ पर पहुँचने में हफ़्ते लग जाते। जो बाबू कल तक 'काका' कहते थे,अब उन्हें देखकर मुँह फेर लेते थे। लगभग छह महीने की अथक दौड़-धूप के बाद, जब उन्होंने अपनी पत्नी के आखिरी गहने बेचकर सारे कागज़ात पूरे किए,तो वह काँपते हाथों से फाइल लेकर बड़े बाबू के पास पहुँचे। बड़े बाबू ने फाइल देखी और ठंडी आवाज़ में कहा,'अरे काका, तुम अब आए हो?

छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण सहकारिता के लिए वरदान सिद्ध हुआ

छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण के पूर्व यानी सन् 2000 से पूर्व अविभाजित मध्यप्रदेश का यह भू-भाग आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता था। लगातार अकाल व दुर्भिक्ष के कारण लाखों परिवारों को दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती थी। फलस्वरूप हर साल पलायन की स्थिति निर्मित होती थी। छत्तीसगढ़ में सहकारी क्षेत्र भी उस दौर में उपेक्षित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटलबिहारी वाजपेयी जी की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिणाम है कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य अस्तित्व में आया। उसके बाद ही कृषि एवं सहकारी क्षेत्र के नए दौर की शुरुवात हुई जबकि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में सहकारी आंदोलन की स्थिति बहुत ही कमजोर थी। सहकारी संस्थायें एवं सहकारी समितियां बीमारू हालत में थी। अनुसूचित क्षेत्र की अधिकांश सहकारी समितियाँ एन.पी.ए. बढ़ने के कारण कालातीत (डिफाल्टर) हो चुकी थी। उस वक्त सहकारी आदोलन के प्रति लोगों की रूचि कम हो चुकी थी।

अशोक बजाज

आत्मनिर्भर भारत के लिए सहकारिता सबसे महत्वपूर्ण विधा है। इसके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के लोगों का आर्थिक उत्थान होता है। सहकारिता से जुड़ कर लोग सामूहिक प्रयास एवं परस्पर सहयोग से अपनी आर्थिक गतिविधियों का संचालन करते हैं तथा उचित लाभार्जन करते हैं। ग्रामीण भारत के लिए सहकारिता वरदान से कम नहीं है। सहकारिता के माध्यम से ना केवल वित्तीय प्रबन्धन बल्कि उत्पादन,उत्खनन,प्रसंस्करण, परिवहन एवं विपणन के कार्य भली भांति संपादित हो रहे हैं। सहकारी समितियाँ अपने सदस्यों को किफायती एवं प्रमाणित वस्तुयें उपलब्ध कराती है। सहकारी संगठनों एवं संस्थाओं के कार्यों में पूरी तरह पारदर्शिता होती है। सहकारी संस्थायें रोजगार सृजन भी करती है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में किसानों के उत्थान के लिए सहकारी संस्थाओं की उपयोगिता काफी महत्वपूर्ण है। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के समय कृषि वित्त के क्षेत्र में एक शीर्ष बैंक के अलावा 7 केन्द्रीय बैंक थे जो कि 1333 सहकारी समितियों (पैक्स एवं लैम्प) के माध्यम से वित्त पोषण करते थे । समूचे छत्तीसगढ़ में सहकारी बैंकों की मात्र 213 शाखायें थी जो बढ़कर अब 345 हो गई है । यह सन् 2003 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद कृषि सहकारिता के उन्नयन के लिए गंभीरता से हुये प्रयास का परिणाम है। इसी प्रकार लगातार सुविधाओं व सेवाओं का विस्तार हुआ जिससे लघु व सीमांत कृषक भी सहकारी संस्थाओं की तरफ आकर्षित हुये। यहाँ पर यह उल्लेख करना लाजिमी होगा की राज्य गठन के प्रथम तीन वर्ष में केन्द्रीय सहकारी बैंक रायगढ़ के डिफाल्टर हो जाने से रिजर्व बैंक ने उसका लाइसेंस निरस्त कर दिया। फलस्वरूप राज्य में केन्द्रीय सहकारी बैंकों की संख्या 7 से घट कर 6 हो गई । यह सहकारी आंदोलन से जुड़े लोगों के लिए बहुत बड़ा सदमा था। अविभाजित मध्यप्रदेश में सहकारी आन्दोलन को एक बड़ा झटका पहले भी लग चुका था जब दिग्विजय सिंह सरकार ने पी.डी.एस. का काम सहकारी समितियों से छीन कर निजी हाथों में सौंप दिया था, जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लाभ गरीबों को सही रूप से नहीं मिल रहा था डॉ रमन सिंह सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं के वितरण का काम सहकारी समितियो को पुनः सौंपा। जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुरुस्त हुई साथ ही साथ आम लोगों की सहकारी समितियों के वितरण केन्द्र में आवाजाही शुरु हुई। डॉ. रमन सरकार ने सहकारी संस्थाओं के उन्नयन के लिए केन्द्र सरकार द्वारा बनाई गई प्रो. वैद्यनाथन कमेटी की सिफारिशों को लागू किया। सितम्बर 2007 में राज्य सरकार,नाबार्ड एवं क्रियान्वयन एजेन्सियों के मध्य एम.ओ.यू. हुआ। इसके तहत सहवर्ल्डकारी समितियों को कुल 225 करोड रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई जिससे मृतप्राय सहकारी समितियों को जीवन दान मिल गया।

किसानों के बारे में कहा जाता है कि किसान ऋण में पैदा होता है, ऋण लेकर जीता है तथा ऋण छोड़कर मर जाता है। इसकी मूल वजह यह थी कि कृषि ऋण पर भारी भरकम ब्याज वसूला जाता था। साहूकारी प्रथा के समय तीन प्रतिशत मासिक यानी 36 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर भी मुश्किल से ऋण उपलब्ध हो पाता था। खेती कोई इतना लाभकारी धंधा तो था नहीं कि इतना भारी-भरकम ब्याज लोग अदा कर सके। अतः किसान कर्ज के बोझ तले साहूकारों की गुलामी करने पर मजबूर हो जाते थे। कालांतर में सहकारी आंदोलन का विस्तार हुआ। किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की आपूर्ति एवं किफायती दर पर खाद-बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों का गठन हुआ। जिसे सामान्य क्षेत्र में पैक्स तथा अनुसूचित क्षेत्र में लैम्स कहा जाता है। सहकारी समितियां अपने सदस्य कृषकों को ऋण सुविधा प्रदान कराने लगी परन्तु इस पर ब्याज दर 16 प्रतिशत से कम नहीं था। समितियां भी समय सीमा पर ऋण अदायगी नहीं करने वाले सदस्यों से चक्रवृद्धि ब्याज वसूल कर रही थी। समय पर किसानों द्वारा ऋण अदा ना करने के अनेक कारण हो सकते हैं लेकिन उसमें से एक प्रमुख कारण मौसम की अनिश्चिता भी है। चाहे अतिवृष्टि हो,चाहे अनावृष्टि अथवा समय पर वृष्टि ना हो तो कृषि-उत्पाद पर प्रतिकूल असर पड़ता ही है,फसल खराब होने के बाद किसान ऋण अदा करने में अक्षम हो जाते है। ऐसे किसान समितियों के डिफाल्फर की श्रेणी में आ जाते हैं । इनकी कृषि भूमि नीलाम हो जाती है। डॉ. रमन सरकार ने किसानों की इस दशा पर चिन्ता करते हुये कृषि ऋण पर ब्याज दर शून्य प्रतिशत कर दिया,जो किसानों के लिए वरदान सिद्ध हुआ। यानी किसानों को अब केवल मूलधन ही अदा करना होता है, ब्याज की राशि समितियों को ब्याज अनुदान के रुप में सरकार अदा करती है। साल दर साल अकाल से जुझ रहे किसानों के लिए यह बहुत ही राहत भरा फैसला था। इसका परिणाम यह हुआ कि छत्तीसगढ़ निर्माण के प्रथम वर्ष में सहकारी संस्थाओं के माध्यम से 152 करोड़ रूपये का कृषि ऋण वितरित किया था जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर लगभग 6800 करोड़ रूपये तक पहुँच गया है द्य ऋण लेने वाले किसानों की संख्या भी 4 लाख से बढ़कर साढ़े पंद्रह लाख हो गई है इस बीच राष्ट्रीय फमल बीमा योजना लागू हुई, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में किसानों के लिए आर्थिक रक्षा कवच बन गई है। डॉ. रमन सरकार ने

छत्तीसगढ़ में कृषि के मानसून पर निर्भरता को कम करने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया उन्होंने सिंचाई की सुविधा बढ़ाई। जल श्रोतों की उपलब्धता के आधार पर नाला बंधान,चेक डैम एवं एनीकट का निर्माण किया जिससे छत्तीसगढ़ में सिंचित रकबा में अप्रत्याशित बढ़ौतरी हुई। इसके अलावा शाकम्भरी योजना, किसान समृद्धि योजना एवं सौर सुजला योजना लागू किया । इससे किसान सिंचाई जल के मामले में आत्मनिर्भर होने लगे। फलस्वरूप कृषि उत्पाद में अपेक्षाकृत बढ़ौतरी हुई, साथ ही साथ किसानों की आय भी बढ़ने लगी। छत्तीसगढ़ में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी सहकारी समितियों के माध्यम से होती है। छत्तीसगढ राज्य निर्माण के प्रथम वर्ष सन् 2000-2001 में न्यूनतम् समर्थन मूल्य पर मात्र 4.63 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी की गई थी। जो 2024-25 में बढ़कर लगभग 150 लाख मेट्रिक टन हो गई है। वर्तमान में 2058 सहकारी समितियां द्वारा 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। सभी उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी एवं भुगतान की व्यवस्था ऑनलाइन है। सभी समितियों में माइक्रो ए.टी.एम. की भी व्यवस्था की गई है तथा किसानों को रुपे के.सी.सी. कार्ड भी उपलब्ध कराया गया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था को पूरे देश में एक आदर्श व्यवस्था के रूप में माना जाता है। केन्द्र की मोदी सरकार भी सहकारी आन्दोलन के लिए प्रति काफी गंभीर है। इसीलिए केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर कद्दावर मंत्री श्री अमित शाह जी को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री शाह दृढ़ निश्चयी है तथा इरादे के पक्के हैं, सहकारिता के क्षेत्र में नई सोच के साथ नित्य नये कदम उठा रहें है। पैक्स के लिए आदर्श बायलॉज एवं सहकारी समितियों के विस्तार की उनकी योजना का लाभ देश के साथ साथ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की कल्पना के अनुरूप किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी सहकारी आन्दोलन को लगातार गति प्रदान कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद 25 वर्षों का सफर सहकारिता के क्षेत्र में काफी उत्साह जनक रहा है। फलस्वरूप छत्तीसगढ़ की सहकारिता आज ऐसे मुकाम तक पहुंच गई है जिसे देखकर विकसित राज्य भी आश्चर्य करते है। परन्तु सहकारिता को परस्पर सहयोग एवं समन्वय के साथ आगे और भी लम्बा सफर तय करना है। छत्तीसगढ़ निर्माण के रजत जयंती वर्ष में यह उम्मीद जागी है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय जी कृषि सहकारिता के विकास तथा सहकारी आन्दोलन के विस्तार के लिए अपने इरादें और संकल्प के अनुरूप नई आधारशीला रखेंगे।

वैश्विक अनिवार्यता है हिमालय की रक्षा

विवेक रंजन

मानवीय हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन के गठजोड़ ने हिमालय की नाजुक पारिस्थितिकी पर हाल के दिनों में संकट गहरा दिया है। लगातार बढ़ रही परियोजनाओं और कांक्रीट आधारित निर्माण के पर्यावरणीय, सामाजिक और भू-वैज्ञानिक प्रभावों को नियंत्रित करते हुए अब हमें एक सतत स्थायित्व की राह तलाशना होगी। विश्व की 'छत'और 'तीसरे ध्रुव' के रूप में विख्यात हिमालय,केवल एक प्राकृतिक भौगोलिक संरचना मात्र नहीं है,बल्कि एक जीवंत पारिस्थितिकी प्रणाली है जो करोड़ों लोगों,फ्लोरा, फोना की जीवन रेखा का आधार है। हिमालय अपनी विशालता के बावजूद अत्यंत नाजुक और अपेक्षा कृत नया वलित पर्वत है,जो अभी भी भू-वैज्ञानिक दृष्टि से सक्रिय है और प्रतिवर्ष लगभग 5 मिलीमीटर ऊँचा उठ रहा है । नेचर द्वारा इसके भूभाग का स्थाई सेटलमेंट होना शेष है। इस निरंतर चल रही नैसर्गिक प्रक्रिया में भूस्खलन होते रहते हैं।

पिछले कुछ दशकों में 'विकास' के नाम पर इस क्षेत्र में जिस पैमाने पर निर्माण हुआ है, उसने न केवल इसकी नैसर्गिक सुंदरता को विकृत किया है, बल्कि इसके अस्तित्व के लिए ही गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। लगातार बढ़ती जलविद्युत परियोजनाओं ने भी हिमालय पर खतरा बढ़ा दिया है। हिमालयी क्षेत्र को भारत का 'पावर हाउस' माना जाता है, जहाँ 46,850 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ 1,15,550 मेगावाट की संभावित जलविद्युत क्षमता है । नवंबर 2022 तक इस क्षेत्र के 10 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों में 81 बड़ी जलविद्युत परियोजनाएँ (25 मेगावाट से अधिक उत्पादन क्षमता की) कार्यशील थीं और 26 अन्य निर्माणाधीन थीं, जबकि 320 और बड़ी परियोजनाएँ विभिन्न स्तरों पर क्रियान्वयन स्वीकृति हेतु विचाराधीन हैं। हिमाचल प्रदेश की केवल सतलुज नदी घाटी में ही यदि सभी प्रस्तावित परियोजनाओं का निर्माण हो जाता है तो 22% नदी बाँध के पीछे झील के रूप में खड़ी रहेगी और 72% सुरंगों के भीतर बहेगी । जलविद्युत परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वनों की कटाई की जाती है। किन्नौर जिले में ही, 2014 तक विकास परियोजनाओं के लिए 984 हेक्टेयर वन भूमि का हस्तांतरण किया जा चुका था, जिसमें से 90% जलविद्युत परियोजनाओं और ट्रांसमिशन लाइनों के लिए था। क्षतिपूरक नवीन वनीकरण की नीति भी प्रभावी नहीं रही है, क्योंकि नए पौधारोपण के वृक्ष बनते तक अक्सर रोपण असफल हो जाते हैं और वनों के वास्तविक नुकसान की भरपाई नहीं कर पाते। इसके अलावा, परियोजनाओं के निर्माण से पहाड़ों में व्यापक भू-स्खलन की घटनाएँ बढ़ी हैं, जैसा कि रुद्रप्रयाग और टिहरी जिलों में देखा गया। केदारनाथ की घटना से लेकर धाराली में बादल फटने की मार का दर्द भूला नहीं जा सकता। स्थानीय समुदायों को इन परियोजनाओं की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। उनकी आजीविका के मुख्य स्रोत वन और जल स्रोत नष्ट हो रहे हैं। जनसांख्यिकीय बदलाव आ रहे हैं, जहाँ युवाओं का पलायन बढ़ रहा है,जिससे आत्मनिर्भरता में कमी आई है और महिलाओं व बुजुर्गों पर घरेलू जिम्मेदारी का बोझ बढ़ा है ।

हिमालय भूकंपीय रूप से सक्रिय क्षेत्र का हिस्सा है और इसके नदी घाटी क्षेत्र प्राकृतिक रूप से भूस्खलन के प्रति संवेदनशील हैं। जलवायु परिवर्तन ने इस स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। ग्लेशियरों के पिघलने,पर्माफ्रॉस्ट के अस्थिर होने, तड़ित बिजली और बादल फटने जैसी घटनाओं में निरंतर वृद्धि ने इस क्षेत्र को आपदाओं के प्रति और अधिक संवेदनशील बना दिया है। हाल के वर्षों में जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ी आपदाओं की आवृत्ति चिंताजनक रूप से अधिक रही है। 2013 में केदारनाथ बाढ़ से फाटा-ब्युंग, सिंगोली-भटवारी और विष्णुप्रयाग परियोजनाओं को गंभीर क्षति हुई थी। 2021 के भूस्खलन और हिमस्खलन से ऋषि गंगा परियोजना का विनाश, विष्णुगढ़-तपोवन परियोजना क्षतिग्रस्त होना, 200 से अधिक लोगों की मौत भूली नहीं जा सकती। 2022 किन्नौर में भूस्खलन से 1,091 मेगावाट की करछम वांगटू जलविद्युत संयंत्र का निर्माण कार्य प्रभावित हुआ है और इसी वर्ष हुई धाराली की घटना के जख्म तो शायद कभी भर ही नहीं पाएंगे। हाल की घटनाओं से स्पष्ट है कि हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाएँ और अंतहीन निर्माण कार्य न केवल पर्यावरण के लिए, बल्कि मानव जीवन के लिए भी गंभीर जोखिम उत्पन्न कर रहीं हैं।

हिमालय के संरक्षण और सतत सस्टेनेबल विकास के लिए एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। अब इनका वैज्ञानिक पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। हिमालय में अधिकांश मौजूदा या निर्माणाधीन परियोजनाओं की परिकल्पना पिछले 10-15 वर्ष पहले की गई थी। वर्तमान वैज्ञानिक आँकड़ों के आधार पर इन परियोजनाओं का पुनर्मूल्यांकन करने की सख्त आवश्यकता है। विशेषज्ञ समितियाँ (जैसे रवि चोपड़ा समिति) गठित कर इन परियोजनाओं के प्रभाव का गहन अध्ययन किया भी गया है , इस अध्ययन का विस्तार किया जाना चाहिए। स्थानीय समुदायों की भागीदारी बढ़ाना होगा, परियोजना पर निर्णय लेने से पूर्व स्थानीय पंचायत की लिखित सहमति ली जानी चाहिए। सभी नीतियों और योजनाओं में स्थानीय जनता, विशेषकर महिलाओं की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन करने वाला सामाजिक वातावरण बनाना चाहिए। बड़ी निर्माण परियोजनाओं को अनुमति दिए जाने के निर्णयों पर पुनर्विचार करना होगा। भागीरथी इको-सेंसिटिव ज़ोन जैसी सुरक्षात्मक व्यवस्थाओं के पालन को कड़ाई से सुनिश्चित करना होगा। हिमालय की रक्षा केवल किसी एक क्षेत्र या देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह एक वैश्विक अनिवार्यता है।

बिहार चुनाव को लेकर खून खराबा सही नहीं

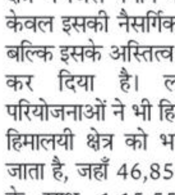

संजय गोस्वामी

बिहार चुनाव को लेकर जगह जगह लड़ाई झगड़े मारपीट की घटना सामने आ रही है जो बिहार के छवि को धूमिल कर रहा है और ऐ आगे और कितना मार पीट होगा मालूम नहीं लगता है बिहार में क़ोई बहुत बड़ा खजाना छिपा है लेकिन भगवान राम से सबक ले उनके मर्यादा अनुसार काम करें और फिर चुनाव में अपना शांतिपूर्ण तरीका से लड़े भगवान राम खुद परमपिता हैं क्योंकि जब उनके पिताजी ने 14 वर्ष का वनवास दिया तो सहर्ष स्वीकार किया यानि जब वो खुद ही परमपिता हैं तो किससे पूछते सही है या गलत क्योंकि गीता में भगवान कृष्ण ने उपदेश दिया है कि आपका अपना कोई नहीं है यदि गलत है तो विरोध करो भगवान राम को जिसने भी संप्रदाय कहा उसका परिवार खुद ही सत्ता के लालच में बर्बाद हुआ जैसे आप बिहार के चुनाव में देख लीजिये जिस परिवार ने उसे संप्रदाय कह कर रथ को रोका आज भाई भाई तेज प्रताप और तेजस्वी यादव दोनों ही एक दूसरे को सत्ता के लोभ में मरने मारने को उतारू हैंभगवान राम के छोटे भाई थे । इनकी पत्नी उर्मिला थी जो की सीता की छोटी बहन थी । इन दोनों भाईयों राम-लक्ष्मण में अपार प्रेम था। उन्होंने राम-सीता के साथ 14 वर्षों का वनवास भोगा था 7 कौशल्या और कैकेयी इनकी सौतेली माता थीं 7 इन सभी चारों भाइयों की एक बड़ी बहन जो कौशल्यानंदिनी देवी शांता थी भाई के सामने सत्ता कौन सी बड़ी चीज है सत्ता आती है जाती है लेकिन ऐसा क्या हुआ कि आपस में ही लड़ बैठे भगवान राम के त्याग के महत्व को ना समझने के कारण यह स्थिति हुई अतः भगवान राम ही परमात्मा है जो हार और जीत की पटकठा लिख चुका है इसलिए भगवान राम से प्रेरणा लेने की जरुरत है लक्ष्मण जानकी कार्तिक महीने में राम लक्ष्मण जी की कहानी सुनने से तुलसी माता के दीपक जलाने से सूरज भगवान को अर्ध्य चढाने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती हैं 7जानकारों के अनुसार बिहार में आरजेडी ने हमेशा बूथ कैप्चर कर ही चुनाव किता है यही है बैलेट पेपर का चुनाव, धांधली और बूथ कैप्चर जो लोकतान्त्रिक नहीं है इवीएम मशीन कभी गलत नहीं होता ना ही क़ोई इसे लूट सकता है और ना ही बैलेट पेपर या मत पत्र बदल सकता है क्योंकि उसमें जीपीएस से लैस होता है और मॉक पोल में इलेक्शन एजेंट की उपस्थिति में 50मॉक पोल किए जाते है जो वीवीपैट से जो पर्ची आती है उसका मिलान किया जाता है तभी ईवीएम मशीन को सील किया जाता है और उस समय जो फॉर्म सी एजेंट व पोलिंग अफसर को दिया जाता है वही काउंटिंग के समय दिखा दिया जाता है और मतों की गणना की जाती है जो बिलकुल पारदर्शी होता है क्योंकि जो आप वोट देते है उस उम्मीदवार की पर्ची वी वीपैड से गिरते हुए दिखता है अतः ईवीएम से चुनाव बिलकुल पारदर्शिता होता है उसपर यदि क़ोई सबाल करे तो जहाँ जीत मिलती वहाँ चुप हो जाते हैं और जहाँ से जनता हार का जनादेश देती है उसी में क्यों खोट निकाल देते हैं आखिर वैलेट पेपर पर धांधली हो और ऐसा ही चुनाव चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में देखा गया और सुप्रीम कोर्ट ने नतीजा पलट दिया ऐ मेयर का चुनाव है इसलिए मायने रखता है लालू प्रसाद यादव के जंगलराज के दौर में चुनाव के दौरान बूथ कैप्चरिंग सामान्य थी और जब टी एन शेषण ने ईवीएम से चुनाव कराया तो उनकी हार हुई।

डॉ. सुधाकर आशावादी

सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

देश में राष्ट्र के प्रति समर्पित संगठन के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। इतिहास साक्षी है कि राष्ट्र पर आने वाली किसी भी विपदा में संघ के कार्यकर्ताओं ने बढ़ चढ़कर समस्या के समाधान हेतु स्वयं को समर्पित किया है। जहाँ तक संघ की विचारधारा का प्रश्न है, संघ में जातीय संकीर्णता लेशमात्र भी नहीं है। सामाजिक समरसता उसकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देती हैं। जहाँ संघ से सम्बंधित कार्यक्रमों में किसी भी प्रकार का जातीय भेद नजर नहीं आता। बहरहाल कुछ राजनीतिक तत्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं,यह बखूबी समझा जा सकता है। देश में जाति और धर्म के नाम विघटनकारी तत्वों की मंशा संघ कार्यकर्ताओं के कारण पूरी नहीं हो पा रही है, तो अवश्य ही ऐसी शक्तियां राष्ट्र के प्रति समर्पित संघ का विरोध करने पर उतारू हैं। कहना गलत न होगा, कि एक समय सत्ता सुख भोग चुके अनेक वंशवादी नेता और परिवार अस्तित्व संकट से जूझ रहे हैं। जन विकास के मुद्दे उनके पास नहीं हैं। ऐसे में जातीय संकीर्णता, क्षेत्रवाद और धर्म आधारित विघटनकारी एजेंडा देश भर में चलाना उनकी मज़बूरी है, सो कभी वह पिछड़ा कार्ड खेलते हैं,कभी दलित कार्ड। कभी जाति आधारित आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर ऐसे तत्व राष्ट्र के विकास को अवरुद्ध करने का प्रयास करते हैं तथा जातीय जनगणना की बात करके अपना जातीय वोट बैंक बनाने की क़वायद करते हैं। ऐसे तत्व यह समझते हैं कि आम आदमी को जातीय कार्ड खेलकर वैचारिक बंधुआ बनाया जा सकता है और जाति कार्ड खेलकर उनका मत एवं समर्थन प्राप्त किया जा सकता है। वे यह भूल जाते हैं, कि कोई भी जाति कभी भी किसी व्यक्ति या विचार की बंधुआ नहीं हो सकती। यदि जातियां पूरी तरह से बंधुआ होती, तो सभी राजनीतिक दलों में सभी जातियों के प्रतिनिधि न होते। जातीय गणना के सम्बन्ध में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने स्पष्ट किया है कि संघ जाति आधारित जनगणना के विरुद्ध नहीं है, लेकिन जनगणना राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं होनी चाहिए। जातीय जनगणना का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों की पहचान करके उनकी प्रगति करना होना चाहिए। मेरा मानना है कि राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में जातीय अलगाव बाधक है। जाति आधारित व्यवस्था राजनीतिक दलों की महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति में सहायक तो हो सकती है, लेकिन इतिहास साक्षी है कि राष्ट्र के विकास में यह अवरोधक ही है। विश्व में शायद ही ऐसा कोई देश हो, जहां जाति आधारित व्यवस्था हो। ऐसे में सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया की भावना से विश्व के कल्याण की कामना करने वाले देश में जाति जनगणना यदि जरुरी हो, तभी कराई जाए।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों से संपादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

तीन दिवसीय राज्योत्सव समारोह का हुआ भव्य शुभारंभ

सरगुज़ा अंचल ने इन 25 वर्षों की अवधि में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं : कृषि मंत्री नेताम

- राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित लगी प्रदर्शनियां,विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में दी गई जानकारी...
- शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम रहे आकर्षण का केंद्र,विद्यालयीन-महाविद्यालयीन एवं स्थानीय कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों से सजी संध्या...
- राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री नेताम द्वारा हितग्राही मूलक सामग्रियों का हुआ वितरण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

राज्योत्सव 2025 के तीन दिवसीय जिला स्तरीय समारोह का रविवार को भव्य शुभारंभ अम्बिकापुर के कला केंद्र मैदान में हुआ। मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास,कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछलीपालन,पशुधन विकास विभाग मंत्री श्री रामविचार नेताम ने उपस्थित लोगों को राज्य स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस दौरान उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि 25 वर्ष पहले समूचे छत्तीसगढ़ की क्या स्थिति थी। आज रोड, बिजली, पेयजल शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में परिवर्तन आया है। 25 वर्षों में जो बदलाव आया है, वो देखते ही बन रहा है। आज हम कुछ ही घण्टे में रायपुर पहुंच रहे है। रेल मार्ग का विकास हुआ है,अम्बिकापुर से सीधे दिल्ली पहुंच रहे हैं। आज यहां हवाई सेवा शुरू हो गई है, जिसका आगे और बेहतर संचालन होगा। यह विचार करने का विषय है कि हमने 25 वर्षों में कितना छलांग मारा है और आगे का 25 वर्ष कैसा होगा। शासन प्रयासरत है कि देश के विकास में हमारा छत्तीसगढ़ किसी भी मायने में पीछे नही रहेगा। अभी हमे और बहुत कुछ करना बाकी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास प्रदान किया है। 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी कर किसानों को उनका हक दिया जा रहा है। 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में हर माह एक-एक हजार रुपए की राशि दी जा रही है। हमारी सरकार हर वर्ग के लोगों को लाभ दिला रही है।छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद हर एक क्षेत्र में प्रगति हुई, लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ, आमूलचूल परिवर्तन आया है। सरगुज़ा अंचल ने इन 25 वर्षों की अवधि में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। छत्तीसगढ़ के विकास में सरगुज़ा क्षेत्र पीछे ना रहे, हम यहां के निवासियों के जीवन स्तर कैसे आगे लाएं, ये सोचना है।सरगुज़ा अंचल भी विकास की दौड़ में पीछे न रहे। विकसित छत्तीसगढ़ होगा, इस दिशा में मिलकर हम कार्य कर रहे हैं। लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कहा कि हम छत्तीसगढ़ स्थापना का

रजत जयंती मना रहे हैं,तीन दिवस के कार्यक्रम का आज शुभारंभ हो रहा है। कल राज्य स्तर पर प्रधानमंत्री जी के द्वारा शुभारंभ किया गया,हमारे राज्य के 25 वर्ष के युवा होने पर हम यह खुशी मना रहे हैं। यहां 25 वर्षों की इस यात्रा की प्रदर्शनियां लगाई गई है। उन्होंने सभी को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरुपा सिंह, सभापति नगर पालिक निगम अम्बिकापुर श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी,जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव ने भी राज्य स्थापना और राज्योत्सव कार्यक्रम की जिले वासियों बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान कलेक्टर श्री विलास भोसकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अमोलक सिंह ढिल्लो, डीएफओ श्री अभिषेक जोगवत, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री सुनील नायक, स्थानीय जनप्रतिधिगण, अधिकारी कर्मचारी, आमजन उपस्थित रहे।

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री नेताम द्वारा हितग्राही मूलक सामग्रियों का किया गया वितरण

राज्योत्सव में मुख्य अतिथि श्री रामविचार नेताम ने समस्त स्टालों का अवलोकन किया और हितग्राहियों को हितग्राही मूलक सामग्रियां प्रदान की। इस दौरान कृषि विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को मूंग बीज वितरण, 10 हितग्रहियों को मृदा स्वास्थ्य पत्रक,5 हितग्राहियों को फसल बीमा पत्रक प्रदान किया गया। उद्यान विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को ग्राफ्टेड टमाटर,श्रम विभाग द्वारा 157 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजनांतर्गत 20 हजार रुपए का चेक वितरण किया गया। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 3 हितग्राहियों को प्रतीकात्मक-चाबी,घड़ी एवं सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। पशुधन विभाग द्वारा 03 हितग्राहियों को अनुदान पर बकरा वितरण योजना का चेक एवं 03 हितग्राहियों को बैकयार्ड कुक्कुट इकाई वितरण योजना अंतर्गत 45 नग मुर्गी चूजा प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को आयुष्मान भारत कार्ड एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी जिला शाखा सरगुज़ा द्वारा निरंतर रक्तदान कर मानवता की सेवा में वरिष्ठ योगदान हेतु 34 व्यक्तियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। वहीं मछली पालन विभाग द्वारा 6 हितग्राहियों को जाल एवं 4 हितग्राहियों को आईस बाक्स, समाज कल्याण विभाग द्वारा 1 बैसाखी, 1 ट्रायसायकल, 2 व्हील चेयर, 2 श्रवण यंत्र एवं 1 हितग्राही को विवाह प्रोत्साहन चेक प्रदान किया गया। सेन्ट्रल बैंक ऑफ इडिया (आरसेटी) द्वारा 3 हितग्राहियों को राजमिस्त्री प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र एवं टूल किट, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण सरगुजा द्वारा उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत उत्कृष्ट स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में कार्य करने हेतु 03 को उल्लास प्रमाण-पत्र वितरण एवं उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम अंतर्गत 200 घंटे की पढ़ाई पूर्ण करने उपरांत नवसाक्षर बनने हेतु 04 को उल्लास प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम,शानदार प्रस्तुतियां से सजी संध्या

राज्योत्सव 2025 के मुख्य समारोह में सांस्कृतिक दलों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा आकर्षक एवं मनमोहक रंगारंग प्रस्तुति दी गयी। इस दौरान स्थानीय कलाकारों में गायिका हिमांगी त्रिपाठी, लिटील चैम्प गायक प्रियांशु मिश्रा, लोक गायिका शताक्षी वर्मा द्वारा सुंदर गीतों की प्रस्तुतियां दीं गई। राहुल मंडल ग्रुप द्वारा गीत संगीत की प्रस्तुति दी, वहीं विशेष श्रीवास्तव द्वारा बासुरी वादन की सुरीली प्रस्तुति दी। इसी प्रकार चंकी पांडे एवं शिवम द्वारा कत्थक नृत्य,सृष्टि भदोरिया द्वारा क्लासिकल नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी गई। वहीं विद्यालय-महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं की थीम आधारित प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरीं। दृष्टि दिव्यांग बालिका तुलेश्वरी सुंदर गीत, महर्षि विद्या मंदिर द्वारा शिव तांडव, के.आर. टेक्निकल कॉलेज द्वारा गणेश वंदना,शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसा द्वारा देवी आराधना पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी गई। बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल द्वारा मोटीवेशनल नृत्य, माउंट लिटरा जी स्कूल अम्बिकापुर द्वारा संगीतात्मक नाटिका,कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अम्बिकापुर द्वारा विकसित छत्तीसगढ़ पर आधारित, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय मैनपाट द्वारा जेडी नृत्य की दी गई प्रस्तुतियों से समा बंधा।

विभिन्न विभागों के स्टाल ने लोगों को किया आकर्षित, राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा की गई प्रदर्शित

राज्योत्सव के जिला स्तरीय कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए। यहां लोगों को विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य के 25 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित प्रदर्शियों ने लोगों को आकर्षित किया। इस दौरान राजस्व ई-सेवा (च्वाईस), हस्तशिल्प, नगर पालिक निगम, हाउसिंग बोर्ड, सी-मार्ट, जिला पंचायत, उद्यान विभाग, कृषि विभाग,पशु चिकित्सा विभाग, मत्स्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग,शिक्षा विभाग,कौशल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग,महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, रेशम विभाग,खाद्य एवं सहकारिता विभाग,बैंक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, जनसंपर्क विभाग, सरगुजा पुलिस, केंन्द्रीय जेल,समाज कल्याण विभाग, वसुधा महिला मंच सरगुजा, विद्युत एवं क्रेड़ा विभाग द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं।

नशीले इंजेक्शन के दो व महुआ शराब का एक सप्लायर गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

आबाकरी उडनदस्ता टीम ने नशीले इंजेक्श के साथ दो सप्लायर व महुआ शराब के साथ एक सप्लायर को गिरफ्तार किया है। उडनदस्ता टीम ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार आबकारी 1 नवंबर को आबकारी उडनदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली की अंबिकापुर पीजी कॉलेज ग्राउंड में सुरेश वर्मा उर्फ मलगा तथा ठाकुर स्कूटी में नशीले इंजेक्शन रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपियों के कब्जे से कुल 50 नग नशीले इंजेक्शन जब्त किया है। वहीं 2 नवंबर को टीम ने ट्रांस्पोर्टनगर निवासी नरेंद्र तिर्की के घर छापेमारी कर 22 लीटर महुआ शराब व 200 किलो महुआ लहान जब्त किया है। टीम ने तीनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता द्वारा की गई साथ में आबकारी उप निरीक्षक तेजराम केहरी तथा हमराह स्टाफ में मुख्य आरक्षक कुमारु राम, रमेश दुबे, अशोक सोनी नगर सैनिक, गणेश पांडे, ओम प्रकाश गुप्ता एवं महिला सैनिक राजकुमारी सिंह एवं अंजू एक्का की सराहनीय भूमिका रही।

सदगुरुदेव के जन्मोत्सव पर 36 लोगों ने किया रक्तदान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

सदगुरुदेव के उत्तराधिकारी संत विज्ञानदेव महाराज के जन्मोत्सव के अवसर पर प्रत्येक वर्ष विश्वभर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी महर्षि सदगुरुदेव सदाफल देव आश्रम, अंबिकापुर में 1 नवंबर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर, वेद मंत्रोच्चारण, स्वागत गान, मंगल गान, और गुरु वंदना के साथ किया गया। इसके बाद कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का माल्यार्पण से सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में संत विज्ञानदेव महाराज का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, जिसमें केक काटकर गुरु की सेवा में श्रद्धा अर्पित की गई। इसके पश्चात रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बिलासपुर संभाग के संयोजकों और चिकित्सा टीम के मार्गदर्शन में 36 रक्तवीरों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया और मानव कल्याण की दिशा में योगदान दिया। रक्तवीरों का सम्मान शॉल एवं प्रशस्ति प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

सरगुजा सर्व ब्राह्मण समाज की नयी कार्यकारिणी घोषित समाजिक एकता और विस्तार पर दिया गया विशेष बल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

आज दिनांक 2 नवंबर 2025 को भगवान परशुराम मंदिर के सभागार में सरगुजा सर्व ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजेश तिवारी ने की,जिसमें बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन,पदाधिकारीगण एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से सरगुजा सर्व ब्राह्मण समाज की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में रामा पांडेय, आर. एन. अवस्थी, सत्येंद्र तिवारी, कौशलेंद्र पांडेय,आलोक दुबे,आई. बी. तिवारी, द्वितेन्द्र मिश्र,सत्येंद्र पांडेय मनोनीत किए गए। साथ हीं मार्गदर्शक मण्डल में जयराम मिश्रा, ललित धर दुबे,बच्चू तिवारी, सुशील चतुर्वेदी, उपेंद्र तिवारी,अशोक दूबे, हेमंत तिवारी एवं सतीश तिवारी भी शामिल किए गए हैं । संयोजक के रूप में निवासन अयंगर,चंद्रसेन तिवारी,सुजीत चतुर्वेदी, राजेश दुबे, विकास पांडेय, सतीश तिवारी, राजेश त्रिपाठी को जिम्मेदारी सौंपी गई। उपाध्यक्ष के रूप में एस. के. शुक्ला, अनिल तिवारी, देवेश शुक्ला, अरविंद मिश्र, प्रेमचंद तिवारी 'लड्डू',राधाकृष्ण दुबे, आनंद अवस्थी, पुरुषोत्तम मिश्र मनोनीत हुए। सहसचिव के रूप में सुनील तिवारी, ऋषि पांडेय, दीनानाथ तिवारी, राजेश शुक्ला, कृष्णानंद तिवारी, सुनील पांडे, अजय मिश्रा, संजय पांडेय का चयन हुआ। कोषाध्यक्ष के रूप में मनोज तिवारी तथा सह-कोषाध्यक्ष के रूप में पुष्पेंद्र मिश्र एवं अजीत तिवारी को दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में अनिल तिवारी, राजेश पाठक, सुजीत तिवारी, रिंटू चौबे, अनिल दुबे, पंकज शुक्ल, अशोक पांडेय, मनोज मिश्रा, धर्मेंद्र दुबे, राज नारायण द्विवेदी, सूर्यनाथ तिवारी, प्रकाशमणि त्रिपाठी, विश्वजीत भारद्वाज एवं संतोष दुबे मनोनीत किए गए। स्थल प्रभारी के रूप में आनंद उपाध्याय एवं चंद्रशेखर शर्मा तथा मीडिया प्रभारी के रूप में रूपेश दुबे, योगेश्वर पांडे एवं राहुल शुक्ला को नियुक्त किया गया। साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्य एवं आमंत्रित सदस्य भी मनोनीत किए गए। महिला उप समिति की संरक्षक श्रीमती इति चतुर्वेदी द्वारा महिला अध्यक्ष के रूप में श्रीमती माधुरी दुबे, सचिव के रूप में श्रीमती रेणुका उपाध्याय, तथा कोषाध्यक्ष के रूप में श्रीमती सुधा तिवारी का चयन किया गया। चयनित सभी पदाधिकारियों का समाज के सदस्यों ने माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैठक का संचालन सचिव विनोद तिवारी द्वारा तथा आभार प्रदर्शन सहसचिव सुनील तिवारी ने किया। बैठक के दौरान समाज के विस्तार एवं मजबूती पर विचार व्यक्त करते हुए जयराम मिश्र ने कहा कि 'ब्राह्मण समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता और संस्कार हैं, जिनके संरक्षण की जिम्मेदारी अब नई कार्यकारिणी पर है।' ललितधर दुबे ने कहा कि 'समाज को युवाओं और महिलाओं की सहभागिता से और अधिक सक्रिय बनाना समय की मांग है।' आलोक दुबे ने कहा कि 'संगठन का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ते हुए, शिक्षा, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देना है।' वहीं अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि 'यह नई कार्यकारिणी समाज के विकास, आपसी सहयोग और संगठन की मजबूती की दिशा में निरंतर कार्य करेगी।' कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजन, प्रतिनिधि, महिला सदस्य एवं युवा वर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नशे के सौदागर हुए गिरफ्तार पुलिस ने उड़ीसा से गिरफ्तार किया मुख्य आरोपी को

-संवाददाता-
बलरामपुर,02 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

आज यात्री बस से गांजा तस्करी के के आरोपियों को वाड्रफनगर पुलिस ने गिरफ्तार करते हुए कार्यवाही की है।कार्यवाही में एनडीपीएस एक्ट का मुख्य आरोपी को उड़ीसा से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया है।मुख्य आरोपी भगवान सेठी पिता श्याम सेठी निवासी थाना नारला जिला कालाहांडी उड़ीसा से गिरफ्तार कर पादप नगर लाया गया और अपराध स्वीकार करने पर उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 10 अक्टूबर की रात मुखबिर से सूचना मिली कि कोरबा से दो लड़के बैग में मादक पदार्थ गांजा लेकर कोरबा

से बनारस जाने वाली बस शिव शक्ति महिंद्रा मैं सफ़र कर रहे हैं सूचना पर तत्काल वाड्रफनगर पुलिस एक्शन मोड में आते हुए नाकाबंदी लगाकर रात करीब 12.30 बजे पुलिस चौकी वाड्राफनगर के सामने शिव शक्ति महिंद्रा बस के आने के पश्चात उसकी तलाशी ली गई तलाशी के दौरान पहले नंबर अपर बर्थ पर दो व्यक्ति जिसका नाम नीतिश चंद्र और दीपक शर्मा है अपने पास एक एक बैग रखे थे जिसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा 2.100 2.100 किलोग्राम कुल 4.200 किलोग्राम उनके कब्जे से बरामद किया गया पुलिस चौकी वाड्राफनगर में दोनों आरोपियों नीतीश चंद पिता प्रकाश चंद उम्र 19 वर्ष निवासी नदीहार थाना राजगढ़ जिला मिर्जापुर उत्तर प्रदेश तथा दीपक शर्मा पिता जयदेव शर्मा उम्र 24 वर्ष निवासी झापड़ी थाना सुकृत जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश के विरुद्ध अपराध क्रमांक 188/25 धारा 20b ndps एक्ट कायम कर विवेचना में लिया गया पूछताछ पर आरोपी उक्त गांजा उड़ीसा से लाना बताए तथा उत्तर प्रदेश में ले जाकर बेचना बताएं उपरोक्त दोनों आरोपियों दिनांक 11/10/25 को गिरफ्तार कर रामानुजगंज न्यायालय में पेशकर न्यायिक रीमांड पर जेल भेजा गया है।

1580 बोरी अवैध धान,15 लाख 80 हजार की धान ज़ब्त,अवैध धान परिवहन पर बड़ी कार्यवाही

-संवाददाता-
बलरामपुर,02 नवम्बर 2025
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर-अंबिकापुर मुख्य मार्ग एनएच 343 वन विभाग के चाची बैरियर के पास बीती रात्रि राजस्व व मंडी विभाग ने अलग-अलग दो ट्रकों से 1580 बोरियां अवैध धान, 15 लाख 80 हज़ार रुपए की जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर थाने में खड़ा करवाया गया है, मामले की जाँच जारी है। 15 नवंबर से धान की खरीदी प्रारंभ की जाएगी,धान 2500 रुपए प्रति क्विंटल होने के कारण कोचिया बाहर से धान लाकर खपा रहे हैं। बीती रात्रि करीब 9 बजे बलरामपुर कलेक्टर श्री राजेंद्र कुमार कटारा के निर्देश पर बरियों नायब तहसीलदार नरेंद्र कुमार कंवर ने वन विभाग के चाची बैरियर के पास से ट्रक क्रमांक जेएच 14 ई 9325 व सीजी 15 डीएच 0819 को रुकवाकर वाहन चालक से ट्रक में धान लोड दस्तावेज की मांग की। दोनो ट्रक चालक दस्तावेज प्रस्तुत नही कर सके। दोनो ट्रक में 1580 बोरियां, 63200 क्विंटल धान लोड था। राजस्व विभाग ने धान की अनुमानित लागत 15 लाख 80 हज़ार रुपए आंकी है।नायब तहसीलदार श्री कंवर ने बताया कि पहला ट्रक धान शंकरगढ़ के मानपुर व दूसरा ट्रक धान राजपुर के घोरगड़ी से लोडकर विश्रामपुर जा रहा था। दोनो ट्रक को जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर थाने में खड़ा करवाया गया है।

CMYK

सरगुजा सांसद ने किया तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ

राज्य गठन के बाद प्रदेश के हर क्षेत्र में हुई अभूतपूर्व प्रगति : श्री महाराज

25 वर्षों पर आधारित पुस्तिका रजत संकल्प का किया विमोचन

-संवाददाता-
बलरामपुर,02 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलरामपुर के खेल मैदान में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मुख्य मंच पर सांसद श्री महाराज ने मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पिछड़ा आयोग सदस्य कृष्णा गुप्ता, जिला पंचायत उपाध्यक्ष धीरज सिंहदेव, जनपद अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा चेरवा, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष भानुप्रकाश दीक्षित सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर राजेंद्र कटारा, वनमण्डलाधिकारी आलोक वाजपेयी, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विश्व दीपक त्रिपाठी, गणमान्य नागरिक सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे।

सरगुजा सासंद चिंतामणि महाराज ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर राज्य स्थापना दिवस एवं छत्तीसगढ़ गठन के 25 वर्ष रजत जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। राज्य बने हुए 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन से प्रदेश ने विकास की दिशा में अभूतपूर्व प्रगति की है। वर्ष 2012 में बलरामपुर जिला बना था, उन्होंने कहा कि जिला बनने से पहले हमारा बलरामपुर नक्सल प्रभावित था, परन्तु शासन के अथक प्रयास से अब हमार जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। पहले हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में असुरक्षा और भय की स्थिति में रहते थे, परंतु अब शांति और अब हर क्षेत्रों में विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य बनने से पहले शिक्षा की स्थिति बहुत सीमित थी। ग्रामीण अंचलों में विद्यालयों की संख्या कम थी और उच्च शिक्षा तक पहुंच कठिन थी। लेकिन राज्य गठन के बाद शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। वर्ष 2025 तक प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ और व्यापक हो चुकी है, जिससे नए अवसरों का सृजन हुआ है। कषि के क्षेत्र में भी अब हमारा जिला अग्रणी जिला बनकर उन्नत पद्धति से खेती कर रहा है। अब हमारे किसान धान के अलावा दलहन, तिलहन एवं साग-सब्जी सभी का उत्पादन कर रहे हैं।

सांसद श्री महाराज के द्वारा हितग्राही मूलक सामग्री का वितरण : सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज ने राज्योत्सव के प्रथम दिवस विभिन्न योजनाओं के तहत 51 हितग्राहियों को सामग्रियों का वितरण किया। जिसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत 10 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी सौंप गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां बाल कलाकारों की अद्भुत प्रस्तुति देख दर्शक हुए अभिभूत छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित राज्योत्सव के मुख्य समारोह में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्कूली, कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा भाषण एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने अपने विचारों की अद्भुत प्रस्तुति दी। युवा प्रतिभागियों ने छत्तीसगढ़ के विकास, संस्कृति और एकता के संदेश को शब्दों में पिरोकर सबका मन मोह लिया। तत्पश्चात रस्साकसी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ खेल भावना का परिचय दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन जीत लिया। छत्तीसगढ़ी परंपरा, लोकगीत, लोकनृत्य और संस्कृति की झलक पेश की।

कॉलोनीवासियों ने किया हाउसिंग बोर्ड अध्यक्ष का घेराव

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 नवम्बर 2025 (घटती-घटना)।

अटल विहार कॉलोनी,सरगवां के रहवासी पिछले तीन वर्षों से बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग को लेकर विभाग के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। विभाग की इस उदासीनता से परेशान होकर कॉलोनीवासियों ने रविवार को छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव के पंजाब गार्डन स्थित निवास का घेराव किया। हालांकि उस समय अध्यक्ष आवास पर उपस्थित नहीं थे,वे निजी कार्य से बाहर थे। कॉलोनीवासियों ने मोबाइल फोन पर उनसे बातचीत की,जिसके बाद अध्यक्ष ने शीघ्र ही बाउंड्रीवाल निर्माण कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया चल रही है। निविदा के लिए 6 नवंबर तक का समय है। निविदा खुलने के बाद बाउंड्रीवाल निर्माण की प्रक्रिया शुरू करा दी जाएगी। इसके अलावा उन्होंने ओपन जीम व अन्य सुविधा उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया। कॉलोनी अध्यक्ष प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि हाउसिंग बोर्ड ने अटल विहार सरगवां में सर्वसुविधायुक्त आवासीय कॉलोनी का विज्ञापन कर मकान बेचे थे। लेकिन तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी चारदीवारी का निर्माण नहीं कराया गया। पूर्ण भुगतान लेने के बाद भी विभाग की यह लापरवाही कॉलोनीवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। बाउंड्रीवाल नहीं होने से कॉलोनी में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है, चोरी की घटनाओं का भय बना रहता है तथा बाहरी लोग ट्रैक्टर से मिट्टी-मूरम का परिवहन करते हैं। इससे कॉलोनी का वातावरण असुरक्षित और अव्यवस्थित होता जा रहा है। कॉलोनी के संरक्षक हेमेन्द्र मिश्रा ने बताया कि अटल विहार कॉलोनी में लगभग 250 से अधिक मकान हैं और अधिकांश में लोग निवासरत हैं। इसके बावजूद सुरक्षा व्यवस्था न होने से लोगों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

राज्योत्सव में कला एवं संस्कृति के दिखे विविध रंग,अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस प्रदेशवासियों के लिये विशेष,सभी को शुभकामनाएंःमंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

'छत्तीसगढ़स्य राज्यस्य,रजतोत्सवसमागमे।
जयतु संस्कृतिः पुण्या,
जयतु जनकल्याणता॥'

श्लोक जिसका अर्थ है, छत्तीसगढ़ राज्य की रजत जयंती के इस पावन अवसर पर,हमारी पुण्य संस्कृति और जनकल्याण की भावना की जय हो। इस पावन श्लोक के साथ आज जिला स्तरीय तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में 'छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2025' का आज शानदार आगाज, अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड सूरजपुर में किया गया। जिसमें मुख्य मंच से स्थानीय कलाकारों के दल ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने छत्तीसगढ़ के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर समस्त प्रदेशवासी व जिलेवासियों को शुभकामनाएँ दी । उन्होंने कहा यह दिवस हम सभी प्रदेशवासियों के लिए विशेष है, आज हम सब एक ऐतिहासिक क्षण के साक्षी हैं। प्रकृति और संस्कृति को समर्पित छत्तीसगढ़ आज निरंतर विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ की स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षों का उत्सव, यह केवल एक तिथि नहीं, यह हमारी पहचान, हमारी संस्कृति और हमारी सामूहिक उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने आगे कहा छत्तीसगढ़ केवल धान का कटोरा नहीं,बल्कि संस्कृति का खजाना है। छत्तीसगढ़ के लोकगीत में जीवन की धड़कन,नृत्य में आत्मा की अभिव्यक्ति और परंपरा में पीढ़ियों का अनुभव समाया हुआ है। लोक जीवन की आत्मा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत उसकी जनजातियों, लोककलाओं और उत्सवों में रची-बसी है।

छत्तीसगढ़ शासन की महिला एवं बाल विकास व समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े का ने जिले वासियों को छत्तीसगढ़ राज्य के गठन व रजत जयंती वर्ष की बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष में यह राज्योत्सव प्रदेश की गौरवशाली उपलब्धियों,लोक संस्कृति और परंपराओं के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश ने महिला सशक्तिकरण, पोषण, शिक्षा एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। राज्योत्सव हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की दिशा में नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं और प्रदेश के सर्वांगीण विकास में सभी के सहयोग का आह्वन किया। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणी देवपाल सिंह पैकरा ने कहा कि राज्योत्सव छत्तीसगढ़ की अस्मिता, संस्कृति और विकास यात्रा का प्रतीक पर्व है। 25 वर्षों की इस गौरवगाथा ने प्रदेश को नए आयाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने, युवाओं को अवसर प्रदान करने और लोक संस्कृति को संरक्षित रखने में राज्य सरकार की पहल सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही विकास के लक्ष्य साकार होंगे और हमें 'नवा छत्तीसगढ़' के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने कहा कि राज्योत्सव हमारे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की योजनाओं से समाज के हर वर्ग को सशक्त करने का कार्य हो रहा है। महिला सशक्तिकरण,शिक्षा,स्वास्थ्य और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति प्रदेश व जिले की नई पहचान बनी है। उन्होंने राज्य गठन व सूरजपुर जिले के गठन के पश्चात प्रशासन व विभागों द्वारा किये गये कार्य का संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कहा हम सब मिलकर विकास की इस यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाएँ और छत्तीसगढ़ को आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएँ। आज के कार्यक्रम में गायिका सुश्री स्तुती जायसवाल ने मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं स्थानीय कलाकारों के द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली प्रस्तुतियां दी गई। वहीं 'उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोक नृत्य महोत्सव' अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भी राज्योत्सव में करवाया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रमणी पैकरा,जनपद अध्यक्ष सूरजपुर श्रीमती स्वाति सिंह,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े,श्री मुरली मनोहर सोनी,श्री शशिकांत गर्ग, जनप्रतिनिधिगण,गणमान्य नागरिक, कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत कुमार ठाकुर, वनमंडलाधिकारी श्री पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्री विजेन्द्र सिंह पाटले, अपर कलेक्टर जगन्नाथ वर्मा, एसडीएम शिवानी जायसवाल, सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सूरजपुर जिले की बेटियों ने लहराया परचम

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा संचालित अरुणोदय कैरियर इंस्टीट्यूट के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण रहा, जब संस्थान की छात्राएं, जिन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ नगर सेना परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, अपने शिक्षकों और सहपाठियों से मिलने केतका रोड सूरजपुर स्थित अरुणोदय परिसर पहुँचीं। इस वर्ष संस्था से लगभग 22 छात्राओं का चयन नगर सैनिक के पद पर व्यापम द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से हुआ है। जिनमें राधा सिंह,प्रीति सिंह, संध्या,सरिता,गीता सिंह, चिंता सिंह,नेहा रजवाड़े,मनमेत, सविता,पार्वती,डिम्पल सिंग इत्यादि शामिल हैं। संस्था में इनका स्वागत तालियों की गड़गड़ाहट के बीच किया गया। सभी छात्राएं जब मंच पर पहुँचीं, तो पूरे परिसर में उत्साह, प्रेरणा और गर्व जैसे सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बन गया। छात्राओं ने अपने संघर्ष, तैयारी की रणनीतियाँ और सफलता की यात्रा साझा कर संस्था में मिठाई के माध्यम से अपनी खुशियां बांटी। उन्होंने अरुणोदय के शिक्षकों और मार्गदर्शन को अपनी सफलता का मुख्य आधार बताया एवं उनके प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आदिम जाति कल्याण विभाग के सहायक संचालक श्री विजेंद्र एक्का द्वारा संस्था में पहुंच कर इन छात्राओं को बधाई एवं भविष्य हेतु शुभकामनाएं प्रदान की गई। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य श्री सोमनाथ साहू ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि, 'अरुणोदय के विद्यार्थियों की यह सफलता पूरे संस्थान के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मेहनत, अनुशासन और निरंतरता ही सफलता की सच्ची कुंजी हैं। ' कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के व्याख्याता श्री रोहित तिवारी द्वारा किया गया। संस्था में संगीता मेम ने विशेष बधाईयां दी।अंत में सभी चयनित छात्राओं के साथ समूह चित्र लिया गया, जिसने इस दिन को अरुणोदय के इतिहास में एक स्मरणीय क्षण के रूप में दर्ज कर दिया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में संचालित अरुणोदय कैरियर इंस्टीट्यूट की स्थापना 2018 में हुई थी,तब से अब तक केंद्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में यहां के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने लगातार सफलता प्राप्त करके जिला प्रशासन को गौरवांवित किया है।

अरुणोदय के तीन छात्रों का चयन पी एस सी साक्षात्कार हेतु शुक्रवार देर रात आए सीजी पीएससी 2024 के मुख्य परीक्षा के परिणाम के अनुसार संस्था के तीन छात्रों (अजय सिंह, राजेंद्र सिंह, कपिल देव सिंह) का चयन साक्षात्कार हेतु हुआ है। ऐसी उम्मीद है कि सभी छात्रों का चयन इस वर्ष वांछित पदों पर हो जाएगा।

जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में विभागीय प्रदर्शनी विभागों की योजनाओं व विकास कार्यो का किया गया प्रदर्शन

-संवाददाता-
सूरजपुर,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज सूरजपुर के अग्रसेन स्टेडियम ग्राउंड में तीन दिवसीय राज्योत्सव कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्योत्सव प्रदर्शनी में कुल 21 विभागों ने अपने-अपने स्टॉल लगाए थे, जिनके माध्यम से प्रदेश की 25 वर्ष की उपलब्धियों का चित्रण किया गया । इन विभागों ने अपनी योजनाओं, नवाचारों और जन-कल्याणकारी कार्यों को आधुनिक तकनीक और आकर्षक मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित किया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापाना दिवस समारोह रजत जयंती वर्ष 2025 के अवसर पर जनसंपर्क विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाकर छत्तीसगढ़ के 25 सालों की प्रगति व विकास की गौरवशाली यात्रा का चित्रण किया गया। जिसमें कृषक बंधु के उत्थान, महिला सशक्तिकरण,जनजातिय सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, ऊर्जा, आत्मनिर्भता की प्रगति के संबध में जानकारी दी गई । इसमें मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य को संवारने और लोक कल्याण के लिए उठाये जा रहे सकारात्मक कदमों का वर्णन भी किया गया हैं। कृषि,शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग व आर्थिक विकास की रूप रेखा का प्रदर्शन किया गया।जनसंपर्क विभाग के स्टॉल में शासन के विकास कार्यों और गतिविधियों पर आधारित पुस्तकों का वितरण भी किया गया ।

व्यापार समाचार

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत गिरी,चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में रविवार को गिरावट का रुख नजर आ रहा है। हालांकि, चांदी के भाव में रविवार को 1,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की तेजी आई है। रविवार को कारोबार में सोना 260 रुपये से लेकर 290 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने की कीमत में आई इस कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना रविवार को 1,23,000 रुपये से लेकर 1,23,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना रविवार को 1,12,750 रुपये से लेकर 1,12,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में रविवार को 1,52,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान लगातार कमजोरी का रुख बनने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 2,620 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 2,400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है।

अगले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे 5 नए आईपीओ

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। सोमवार यानी 3 नवंबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में पांच कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें से दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह सब्सक्रिप्शन के लिए लांच किए गए दो कंपनियों के आईपीओ में भी तीन और चार नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो पांच कंपनियों के शेयर इस सप्ताह लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की शुरुआत करने जा रहे हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन 4 नवंबर को स्टॉक ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म ग्रो की पैरंट कंपनी बिलियन ब्रेंस गेराज वेंचर्स का 6,632.30 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 95 रुपये से लेकर 100 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 150 शेयर का है। इस आईपीओ के तहत 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.60 करोड़ नए शेयर जारी हो रहे हैं। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये भी 55.72 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 11 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे।

कंपनी के शेयर 12 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। कंपनी के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 150 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी दिन श्रीजी ग्लोबल एफएमसीजी का 85 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में भी 7 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 120 रुपये से लेकर 125 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ के तहत 68 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 10 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट होगा। इसके बाद 12 नवंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन 6 नवंबर को फिनबड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का 71.68 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस इश्यू में 10 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है।

फर्जी या वैध ?

विधायक के जाति प्रमाणपत्र पर उठे सवाल से गरमाया राजनीतिक माहौल

प्रतापपुर विधायक शकुंतला सिंह पोर्ते के जाति प्रमाण-पत्र पर बवाल तेज,हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी कार्रवाई नहीं, आदिवासी समाज ने आंदोलन की चेतावनी दी...

चार महीने बाद भी हाईकोर्ट के निर्देश अधूरे,समाज ने कहा...'अब आरपार की लड़ाई'

-विशेष रिपोर्ट-

रायपुर/सूरजपुर/बलरामपुर,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते के जाति प्रमाणपत्र को लेकर विवाद एक बार फिर गरमा गया है, आदिवासी समाज ने इसे कथित रूप से फर्जी एवं कूटरचित प्रमाण-पत्र बताते हुए प्रशासन से प्रमाण-पत्र निरस्त करने की मांग की है, वहीं, कार्रवाई में देरी पर समाज ने आंदोलन की चेतावनी दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,आरोप है कि विधायक पोर्ते का जाति प्रमाण-पत्र बिना वैधानिक आधार और अधूरे दस्तावेजों के जारी किया गया था,आरोप लगाया गया है कि प्रमाणपत्र जारी करते समय न तो विधायक और न ही उनके पिता के मूल जातीय दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे,स्थानीय स्तर पर शिकायत दर्ज होने के बाद हुई प्रशासनिक जांच में भी दस्तावेजों की कमी सामने आई,अम्बिकापुर अनुविभागीय अधिकारी एवं परियोजना कार्यालय द्वारा भी आवश्यक प्रमाणिक दस्तावेजों के अभाव की पुष्टि की गई है।

राजनीतिक तापमान बढ़ा,विधायक पक्ष मौन

इस मुद्दे को लेकर प्रतापपुर व आसपास के क्षेत्रों में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है,स्थानीय संगठनों और सामाजिक प्रतिनिधियों ने कहा कि यह मामला सिर्फ जाति प्रमाणपत्र का नहीं, बल्कि आदिवासी अस्तित्व और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा है,वहीं,विधायक पक्ष की ओर से अब तक इस प्रकरण पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अगले चरण पर सबकी निगाहें...

अब समूचे क्षेत्र की निगाहें जिला प्रशासन और सत्यापन समिति की आगामी कार्यवाही पर टिकी हैं,यदि प्रमाण-पत्र निरस्त होता है तो इसका प्रभाव विधायक की सदस्यता पर भी पड़ सकता है,वहीं,प्रमाण-पत्र वैध ठहराए जाने की स्थिति में विरोधी पक्ष अगली कानूनी लड़ाई की तैयारी में जुटा है।

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद कार्रवाई नहीं...

आदिवासी समाज द्वारा दायर याचिका पर बिलासपुर हाईकोर्ट ने 17 जून 2025 को आदेश जारी करते हुए जिला एवं राज्य स्तरीय सत्यापन समिति को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। हालांकि,आदेश के चार माह बीत जाने के बाद भी प्रमाण-पत्र निरस्तीकरण की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ी है,जिससे समाज में नाराज़गी बढ़ गई है।

सत्यापन समिति की कार्यवाही और अनुपस्थिति का सवाल

जिला स्तरीय सत्यापन समिति ने इस संबंध में 28 अगस्त, 15 सितंबर और 29 सितंबर 2025 को नोटिस जारी कर विधायक से दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा था,सूत्रों के अनुसार, समिति की सुनवाई में विधायक की अनुपस्थिति दर्ज की गई,जिसे आदिवासी समाज ने जांच से बचने का प्रयास बताया है।

फर्जी प्रमाण-पत्र से चुनाव लड़ने' का आरोप

आदिवासी समाज का आरोप है कि कथित रूप से गलत जाति प्रमाण-पत्र के आधार पर अनुसूचित जनजाति आरक्षित सीट से चुनाव लड़ना सच्चे आदिवासियों के अधिकारों का हनन है,समाज ने इसे राजनीतिक धोखाधड़ी करार देते हुए कहा कि इससे पूरे आदिवासी समाज की भावनाएं आहत हुई हैं।

आदिवासी समाज का अल्टीमेटम

आदिवासी समाज ने प्रशासन को 7 दिनों का अल्टीमेटम दिया है,समाज ने स्पष्ट कहा है कि यदि इस अवधि में प्रमाण-पत्र निरस्त नहीं किया गया, तो वे अनिश्चितकालीन आंदोलन की शुरुआत करेंगे, संगठनों ने यह भी चेताया है कि आंदोलन के दौरान यदि कोई अप्रिय स्थिति बनती है, तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आम आदमी पार्टी ने विकास पांडेय को सौंपी जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में युवा नेतृत्व को मिली कमान

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश इकाई ने जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में संगठन को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से युवा चेहरा विकास पांडेय को जिला अध्यक्ष की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, कोरबा लोकसभा अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा कि विकास पांडेय लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े रहे हैं। उन्होंने बताया कि विकास पांडेय दिल्ली में एनजीओ के माध्यम से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे और अन्ना आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। वह आम आदमी पार्टी के फाउंडिंग मेंबर भी हैं और दिल्ली, पंजाब, मेवात,गोवा सहित एम.सी.बी. जिले में संगठन निर्माण और चुनाव संचालन का दायित्व निभा चुके हैं। नव नियुक्त जिला अध्यक्ष विकास पांडेय ने कहा कि मैं पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और प्रदेश इकाई का आभारी हूँ, जिन्होंने मुझ पर यह भरोसा जताया है। जिले के सभी साथियों के सहयोग से हम संगठन को मजबूत करेंगे और आने वाले 2028 विधानसभा चुनावों की तैयारी को नई दिशा देंगे, उन्होंने आगे कहा कि राज्यसभा सांसद व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक पंजाब और गुजरात में अपनाए गए सफल प्रयोगों को अब छत्तीसगढ़ की ज़मीन पर उतारने की रणनीति पर कार्य कर रहे हैं, जिसमें सभी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। नई जिम्मेदारी मिलने

पर प्रदेश उपाध्यक्ष व सभापति कृषि स्थायी समिति सुखमंती सिंह, कोरबा लोकसभा अध्यक्ष रमाशंकर मिश्रा, जिला महासचिव राजेश मंगतानी, जिला महामंत्री (संगठन) विश्वजीत पांडेय,विधानसभा प्रभारी सह कोषाध्यक्ष संदीप यादव, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष नदीम हुसैन, उपाध्यक्ष दुर्गा राव, रैनी तिवारी, संगोपत सिंह, सचिव कासिम उमर, दिनेश बघेल, रामप्रवेश साहू, जाहिद अली, सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं– अनिल पासवान, राजेन्द्र अहिरवार, कमलेश अहिरवार, मनमोहन सांधे, शारदा यादव, रज्जू सिंह, सतीश द्विवेदी, अमित द्विवेदी, सीता सिंह, गुलाबिया सिंह, राजबाई, इंद्रभान सिंह (सरपंच), सुमेर सिंह, समर बहादुर सिंह, गोविन्द प्रजापति, रामा यादव, राम कृपाल प्रजापति, गजरूप सिंह वालन्द, राजेंद्र सिंह, नारायण बैगा,शान्ति बैगा, भरत कुशवाहा, दीपक तिवारी, दीपक कुर्रे,विनोद,उज्ज्वल, हुसैन, संगीता, परुल, अफसर अली, अभिजीत, वाजिद अली, विवेक यादव, पवन सेन, अमित चक्रवर्ती ने शुभकामनाएं दीं।

चुनौतियों का सामना करने से नहीं डरते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी':देवेन्द्र तिवारी

भाजपा जिलाध्यक्ष ने रायपुर में किया प्रधानमंत्री मोदी का आत्मीय स्वागत

-संवाददाता-

कोरिया,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष पर राजधानी रायपुर में आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगमन के अवसर पर कोरिया भाजपा के ऊर्जावान जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने उनका आत्मीय स्वागत किया, प्रधानमंत्री मोदी ने भी मुस्कराते हुए श्री तिवारी का अभिवादन स्वीकार किया।

राज्योत्सव के अवसर पर हुआ ऐतिहासिक लोकार्पण-ज्ञात हो कि 1 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय दौरे पर रायपुर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण किया, राज्योत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा प्रदेश विकास से जुड़े अनेक कार्यक्रमों में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री का नेतृत्व राष्ट्र के लिए प्रेरणा:तिवारी-प्रधानमंत्री के स्वागत उपरांत भाजपा जिलाध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री जी का अभिनंदन। आप अपने लक्ष्यों के प्रति पूर्णतः समर्पित हैं और विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानते,आप चुनौतियों का सामना करने से

नहीं डरते,मुश्किल समय में भी साहस बनाए रखते हैं,आपने राष्ट्र को सर्वश्रेष्ठ बनाया है और मां भारती को परम वैभव के शिखर पर विराजित करने का संकल्प लिया है,आपका नेतृत्व भारत को विश्व का नेतृत्व करने की दिशा में अग्रसर कर रहा है। **छत्तीसगढ़ को नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर किया**- श्री तिवारी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ को विकास की नई दिशा दी है,विकसित भारत संकल्प अभियान आपकी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ के रजत जयंती महोत्सव पर आपका अभिनंदन और दर्शन हम जैसे कार्यकर्ताओं के लिए इस जीवन में ईश्वर से प्राप्त श्रेष्ठ उपहार है।

चैनपुर स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग,लाखों का नुकसान,दमकल कर्मियों ने रातभर चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)। शहर के चैनपुर इलाके में बीती रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक प्लास्टिक फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्ट्री में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन प्राथमिक अनुमान के अनुसार त्यौहार में पटाखे की वजह से आग लगने की संभावना जताई जा रही है,घटना की सूचना मिलते ही खान बचाव केंद्र की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और अथक प्रयासों से आग पर काबू पाया। आग पर नियंत्रण पाने में बैकुंठपुर, चर्चा और मनेंद्रगढ़ नगर सेना की दमकल गाड़ियों ने भी लगातार कई घंटों तक प्रयास किया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आसपास की बस्तियों और अन्य औद्योगिक इकाइयों को बड़ी दुर्घटना से बचा लिया गया, हालांकि, इस घटना के दौरान मनेंद्रगढ़ नगर पालिका प्रशासन की लापरवाही भी उजागर हुई। बताया गया कि जब बैकुंठपुर और चर्चा से दमकल गाड़ियाँ मौके पर पहुँच गईं, तब भी मनेंद्रगढ़ नगर पालिका की दमकल गाड़ी नहीं पहुँच पाई। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने नगरपालिका के कर्मचारियों की इस उदासीनता पर नाराजगी जताई और इसे शहर के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया।

इस घटना को लेकर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हाफिज मेमन ने कहा– मनेंद्रगढ़ के चैनपुर इलाके में स्थित प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने के लिए खान बचाव केंद्र की पूरी रेस्क्यू टीम का मैं तहेदिल से धन्यवाद करता हूँ, जिनके अथक प्रयास से आग पर नियंत्रण पाया जा सका। बैकुंठपुर,चर्चा एवं मनेंद्रगढ़ नगर सेना की दमकल टीमों का भी योगदान सराहनीय रहा। लेकिन यह अत्यंत दुःख की बात है कि मनेंद्रगढ़ नगर पालिका की दमकल गाड़ी समय पर नहीं पहुँची, जिससे प्रशासन की लापरवाही उजागर होती है, मैं उन सभी साथियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ जो इस आकस्मिक विपदा के समय रात भर हमारे साथ खड़े रहे और हर संभव मदद की। स्थानीय प्रशासन ने आग की जांच के आदेश दिए हैं और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। क्षेत्र के लोगों ने मांग की है कि नगरपालिका की दमकल व्यवस्था में सुधार किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति में राहत कार्यों में देरी न हो।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ0ग0)

लखनपुर दिनांक- 16.10.2025

ईश्तहार

प्रति

समस्त ग्रामवासी
ग्राम-जयपुर
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका भुनेश्वर मरई आ0 दलु मरई ग्राम निवासी जयपुर तहसील लखनपुर के द्वारा अपने चाचा स्व. कुलु की मृत्यु दिनांक 02.03.2009 को हो जाने से (जन्म मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म - मृत्य रिज0 नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 06/11/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 06/11/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात् प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(सील)

तहसीलदार
लखनपुर जिला-सरगुजा

सबूत दमदार, प्रशासन लाचार

क्या सिस्टम ही बचा रहा है दोषियों को ?

फाइलों में दफन सच,रिश्वत और फर्जी नामांतरण का...नोटिस की आड़ में सच्चाई का गला घोंटने की कोशिश ?

जनवरी से मई 2025 के बीच भटगांव से भैयाथान तक फैला नेटवर्क,क्या सिस्टम खुद दोषियों को बचा रहा है ?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर/भैयाथान,02 नवंबर 2025 (घटती-घटना)।

भैयाथान तहसील में रिश्वत के आरोपों से जुड़े गंभीर मामले को 50 दिन से अधिक समय बीत चुका है,शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह द्वारा दिए गए ऑडियो, वीडियो और लिखित सबूत,बार-बार वायरल हो चुके हैं,फिर भी तहसील और जिला प्रशासन की शंकित चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है जब सबूत जनता के सामने हैत्तब कार्रवाई न्याय कक्ष में क्यों नहीं पहुंच रही? शिकायतकर्ता ने बताया कि तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौर ने सरकारी कार्य के बदले रिश्वत की मांग की थी। सबूत जमा होने के बाद भी,न निलंबन,न जांच,न एफआईआर सब कुछ रुका हुआ सा लगता है, शुरुआत एक शिकायत और पत्रकार पर नोटिस भैयाथान तहसील से शुरू हुआ यह मामला अब जिले के पूरे प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़ा कर रहा है,शिकायतकर्ता सौरभ प्रताप सिंह ने जनदर्शन में आवेदन देकर पूर्व तहसीलदार संजय राठौर और उनके नगर सैनिक संजय मिश्रा पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था,आवेदन में कहा गया कि 1 लाख रुपये और एक आई पैड की मांग की गई थी,जब शिकायतकर्ता ने रिश्वत देने से इनकार किया,तो प्रकरण को निराधार बताकर खारिज कर दिया गया,यह लिखते हुए कि सीमांकन रिपोर्ट में हस्ताक्षर नहीं हैं,हालांकि,दस्तावेज़ बताते हैं कि आरआई लक्ष्मी खलखो की रिपोर्ट में सभी हस्ताक्षर मौजूद थे और कब्जे की स्थिति स्पष्ट थी। प्रशासन चाहता तो पुनः रिपोर्ट मंगाई जा सकती थी परंतु ऐसा नहीं किया गया,इसके बाद जब एक स्थानीय पत्रकार ने इस पूरे मामले की रिपोर्ट प्रकाशित की,तो इसके जवाब में तहसीलदार शिव नारायण राठिया की ओर से पत्रकार को मानहानि का नोटिस भेजा गया जिससे यह सवाल उठ गया कि क्या यह सच को दबाने की कोशिश थी? मामले की पूरी टाइमलाइन जनता याद रखे इसलिए दर्ज तारीख क्या हुआ? शुरुआत 2023 जमीन सीमा विवाद पर अर्जी आरआई लक्ष्मी खलखो की जांच कब्जे का पूरा ब्यौरा,विरोधी पक्ष के हस्ताक्षर तहसील कार्यालय में रिश्वत माँगी गई 1,00,000 माँगने का आरोप पैसे देने से इनकार,दबाव आदेश ग़लत कारण दिखाकर खारिज साइन नहीं,रिपोर्ट अस्पष्ट में शिकायत पर पत्रकार ने रिपोर्ट छापी जनता में सवाल अब तक कार्रवाई शून्य सबूत दमदार थे फिर भी आदेश दबा क्यों?

अब बड़े सवाल जनता पूछ रही है प्रश्न...जवाब कौन देगा ?

प्रश्नः रिश्वत लेने के आरोप पर अभी तक पुलिस प्राथमिकी क्यों नहीं ?

जवाबः प्रशासन कब देगा ?

प्रश्नः 50 अधिक दिन से प्रकरण लंबित क्यों ?

जवाबः अनजान चुप्पी

प्रश्नः वायरल ऑडियो-वीडियो को मान्यता क्यों नहीं ?

जवाबः जांच एजेंसी

प्रश्नः दोषी को बचाने की कोशिश कौन कर रहा है ?

जवाबः नेटवर्क

प्रश्नः पीड़ित को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है ?

जवाबः तहसील तंत्र

अंत में बड़ा सवालः

अगर रिपोर्ट गलत थी तो दोबारा रिपोर्ट क्यों नहीं मंगवाई गई ?

प्रशासन के पास आज तक कोई जवाब नहीं...!

क्या यही आरआई लक्ष्मी खलखो की रिपोर्ट की सच्चाई

कब्जे का स्पष्ट उल्लेख

विरोधी पक्ष के हस्ताक्षर मौजूद

सरकारी जांच अधिकारी द्वारा तैयार फिर भी आदेश खारिज क्या यह प्री-प्लान्ड ट्रैप था ?

गुम हुई फाइलें या दबाया गया सच ?

शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके कई आवेदन और दस्तावेजों का ट्रेस ही नहीं मिल रहा,यह स्वयं में एक संकेत है कि सच को दबाने की कोशिश चल रही हैं...

महत्वपूर्ण प्रश्न

1 आवेदन कहाँ अटक जाता है ?

2 किस स्तर पर फाइल रोकी जाती है ?

3 किसको बचाने की इतनी जल्दबाजी क्यों ?

यदि फाइल मिल नहीं रही तो क्या यह सिस्टमेटिक साजिश नहीं ?

दैनिक घटती-घटना विशेष रिपोर्ट

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, सोमवार 27 अक्टूबर 2025 | 5

अधिवक्ता का नोटिस अधूरा! जिला न्यायालय का पता देकर पत्रकार पर दबाव?

अधिवक्ता का नोटिस अधूरा!

जिला न्यायालय का पता देकर पत्रकार पर दबाव ?

तहसीलदार के अधिवक्ता ने घटती-घटना के पत्रकार को नोटिस भेजा

लेकिन अपने कार्यालय और निवास का पता नहीं दिया,कानूनी रूप से नोटिस की वैधता पर सवाल

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 | 5

बोलता सवालः अधिवक्ता साहब! बिना खबर पढ़े और समझे बिना ही नौसिखिए तहसीलदार की तरह अपने आप को नौसिखिया अधिवक्ता घोषित कर रहे हैं ?

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन | घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, गुरूवार 23 अक्टूबर 2025 | 6

भैयाथान में कलम बनाम कुर्सी...आखिर कौन डरेगा किससे ?

रिश्वत के आरोपों के बीच नोटिस का नाटक...सच्चाई किससे डरती है?

संपादकीय टीम देगी भैयाथान तहसीलदार के नोटिस का जवाब

- पत्रकार ने उठाए थे सवाल,अब खुद पर उठे तीर,स्थानीय पत्रकार ओंकार पांडेय ने पूरे मामले पर खबरें प्रकाशित कर सच्चे पत्रकार होने का दिया परिचय तो बौखलाहट दिखी तहसीलदार में...
- तहसीलदार साहब की सही खबर छपी तो उनकी मानहानि हो गई,तहसीलदार साहब की वजह से किसी का सही मामला भी बेवजह खारिज हो गया वह कहां जाए?
- क्या तहसीलदार साहब 300 में अधिवक्ता से नोटिस बनवा कर पत्रकार पर दबाव बनाना चाहते है?
- तहसीलदार साहब खबर तो सही है,अब न्यायालय में ही तय होगा...पत्रकार व अखबार न्यायालय जाने के लिए तैयार...
- तहसीलदार के अधिवक्ता भी तहसीलदार के जैसे ही नौसिखिए है क्या?

कार्यालय तहसीलदार भैयाथान,जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,रविवार 14 सितम्बर 2025 | 6

किस के पैरवी पर तहसीलदार संजय राठौर को बिना विभागीय जांच पूर्ण किए बैकुंठपुर में पदस्थ किया गया ?

घटती घटना | कोरिया-सूरजपुर-समाचार | अम्बिकापुर, शनिवार 25 अक्टूबर 2025 | 5

कार्यालय तहसीलदार भैयाथान,जिला-सूरजपुर(छ.ग.)

क्या राठौड़-राठिया गठजोड़ से हुआ था कथित वसूली का खेल?

क्या तहसील में चलता है माफिया नेटवर्क...असली मास्टरमाइंड आखिर कौन?

जब पत्रकार ओंकार पाण्डेय ने शिकायतकर्ता का सच लिखा तो 10 लाख मानहानि का नोटिस से हुआ स्वागत

भैयाथान तहसीलदार भटगांव के नगर सैनिक से रिश्वत का पैसा वसूलवाते हैं?

असली मास्टरमाइंड कौन ?

सूत्रों का दावा यह कोई इक्का-दुक्का अधिकारी का खेल नहीं,यहाँ एक पूरा नेटवर्क मौजूद है दलाल अधिकारी प्रकृति से भ्रष्ट व्यवस्था जिसकी पकड़ इतनी मजबूत है कि कानून भी बेबस दिखाई दे रहा है।

नया संदेह! क्या शिव नारायण राठिया को 'उकसाया' गया ?

सूचना के अनुसार शिकायतकर्ता को संदेह है कि इस पूरे मामले में तत्कालीन तहसीलदार संजय राठौर ने अन्य कर्मचारी शिव नारायण राठिया को मुख्य भूमिका निभाने के लिए उकसाया था,इस पर भी प्रशासन चुप क्यों?

रिश्वत के आरोपों के बीच 'नोटिस का नाटक' सच्चाई किससे डरती है ?

शिकायतकर्ता के खिलाफ मानहानि नोटिस भेजना,जबकि आरोपित अधिकारी पर अब तक कोई कानूनी कार्यवाही नहीं,यह एक खतरनाक संदेश देता है भ्रष्टाचार करने वाला सुरक्षित,आवाज़ उठाने वाला कटघरे में! आख़िर किसके इशारे पर...? भैयाथान में कलम बनाम कुर्सी आखिर कौन डरा किससे?, पत्रकार पूछ रहे हैं...जनता तरस रही है...पीड़ित न्याय की उम्मीद लगाए बैठा है...लेकिन कुर्सी पर बैठा सिस्टम–डर गया है...सच से!

रिश्वत से फर्जी नामांतरण तक जांच का दायरा बढ़ा

अब इस मामले ने नया मोड़ ले लिया है,सूत्रों का दावा है कि वर्तमान भैयाथान तहसीलदार शिव नारायण राठिया,जो इससे पहले भटगांव तहसील में पदस्थ थे,उनके कार्यकाल (जनवरी से मई 2025) के दौरान कई फर्जी नामांतरण किए गए,कई दस्तावेजों में सरकारी जमीनों को निजी नामों पर दर्ज कर दिया गया,और जिन रजिस्ट्रियों में राजस्व निरीक्षक की रिपोर्ट अधूरी थी, वहां भी आदेश पारित कर दिए गए, यदि जनवरी से मई 2025 के बीच भटगांव में हुई सभी रजिस्ट्री और नामांतरण की जांच कर ली जाए, तो फर्जीवाड़े की असली तस्वीर सामने आ जाएगी, राजस्व विभाग के सूत्र (नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर) बताया की संभावित गड़बड़ियों का पैटर्न सरकारी खातों की जमीन निजी नामों पर ट्रांसफर,राजस्व निरीक्षक की संस्तुति अधूरी या अनुपस्थित,आदेशों में अलग-अलग स्याही,हस्ताक्षर और फॉर्मेट,फाइल की तारीखें और आदेश तिथियाँ मेल नहीं खातीं, कुछ आदेशों पर हस्ताक्षर बाद में जोड़े गए प्रतीत होते हैं। कानूनी जानकारों के अनुसार,ये मामले केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि? धोखाधड़ी,जालसाजी और फर्जी दस्तावेज़ का प्रयोग जैसे आपराधिक अपराधों के अंतर्गत आते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों की राय,नोटिस की वैधता पर भी सवाल

बिलासपुर हाईकोर्ट के एक वरिष्ठ अधिवक्ता का कहना है कि यदि पत्रकार ने दस्तावेज़ आधारित रिपोर्टिंग की है,और उसमें कोई झूठी बात नहीं जोड़ी गई है, तो मानहानि नोटिस भेजना प्रेस स्वतंत्रता पर हमला माना जा सकता है, उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सच्चाई को छिपाने के बजाय जांच की प्रक्रिया पारदर्शी बनाई जानी चाहिए क्योंकि जब अधिकारी नोटिस का सहारा लेते हैं, तो यह संदेश जाता है कि लोक सेवक सवालों से डर रहे है।

क्या इसमें पुराने अफसरों की मिलीभगत है?

स्थानीय सूत्रों का कहना है कि पूर्व तहसीलदार संजय राठौर और वर्तमान तहसीलदार शिव नारायण राठिया के बीच अंदरूनी तालमेल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता,ऐसा लगता है कि राठौर ने ही राठिया को नोटिस भेजने के लिए प्रेरित किया,ताकि पुराने भ्रष्टाचार की फाइलें कभी न खुलें सूत्र, भैयाथान तहसील कार्यालय यदि यह दावा सही साबित होता है,तो यह मामला सिर्फ रिश्वत तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि एक संगठित नेटवर्क का चेहरा उजागर करेगा जो तहसील स्तर पर जनता के अधिकारों का सौदा कर रहा है।

रिश्वत प्रकरण से फर्जी नामांतरण घोटाले तक,नेटवर्क का शक

जांच के दौरान कुछ ऐसे दस्तावेज-नोट मिलें,जो संकेत देते हैं कि यह मामला व्यापक और संगठित है केवल एक अधिकारी की व्यक्तिगत गलती नहीं, विशेषकर भटगांव में जनवरी से मई 2025 के बीच हुए नामांतरण/रजिस्ट्री रिकॉर्ड पर अब संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। सूत्रों का दावा है,यदि भटगांव तहसील में जनवरी–मई 2025 के सभी रजिस्ट्री/नामांतरण रिकॉर्ड निकाले जाएँ और उनका सत्यापन किया जाए तो कई आदेशों में फर्जीवाड़ा स्पष्ट हो जाएगा,यह दावा बहुत बड़ा है और अगर सत्य पाया गया तो इसमें न केवल स्थानीय तहसील स्टाफ़ बल्कि संभवतः उससे ऊपर के कुछ प्रभावशाली हस्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं।

कानूनी विशेषज्ञ क्या कह रहे हैं?

वरिष्ठ अधिवक्ता बताते हैं यदि सरकारी जमीन के नामांतरण फर्जी तरीके से किए गए हैं, तो यह आपराधिक मामला बनता है,नोटिस-प्रवृत्ति का प्रयोग तब आपत्तिजनक बनता है जब वह सत्यापित तथ्यों पर आधारित रिपोर्टिंग को दबाने का माध्यम बने,ऑडियो-वीडियो के लिए फोरेंसिक परीक्षण और आधिकारिक रिकॉर्ड-ऑडिट आवश्यक है ताकि सच्चाई कोर्ट-योग्य साक्ष्य बन सके।

अब सच्चाई से डरना नहीं,सामना करना होगा

यह मामला केवल एक तहसील की कहानी नहीं,बल्कि पूरे सिस्टम का आईना है, जहाँ रिश्वत के आरोपों के बीच फर्जी नामांतरण किए गए, और जो आवाज़ उठी,उसे नोटिस से दबाने की कोशिश हुई,अगर शासन सचमुच पारदर्शिता और जवाबदेही में विश्वास रखता है, तो उसे तुरंत भटगांव के जनवरी–मई 2025 रिकॉर्ड सार्वजनिक करवाने चाहिए, क्योंकि जनता अब पूछ रही है जब सबूत दमदार हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं?

पुराने केस खोलो...गड़बड़ियों का काला इतिहास होगा उजागर

स्थानीय नागरिकों का दावा संजय राठौर व शिव नारायण राठिया के कार्यकाल में जमीन नामांतरण,नक्शा पारित,खसरा-खतौनी सुधार जैसे मामलों में लगातार अनियमितताएँ दर्ज हुईं,कई पीड़ितों की आवाजें अब उठ रही हैं क्या यह रिश्वत कांड पहला मामला है? या यह पहली बार पकड़ा गया मामला है? जिला प्रशासन की चुप्पी, यह संकेत देती है कि कहीं न कहीं पूरी तहसील व्यवस्था में गहरी सड़न है।

भारत ने तीसरा टी-20 जीता,ऑस्ट्रेलिया 5 विकेट से हारा

सीरीज 1-1 से बराबर,सुंदर ने 23 बॉल पर 49 रन बनाए

होबार्ट,02 नवम्बर 2025। भारतीय टीम ने रविवार को होबार्ट के बैलेरीव ओवल में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हरा दिया। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 186 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाते हुए जीत हासिल की। इसी के साथ भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। सीरीज का पहला मैच बारिश से धुल गया था, जबकि दूसरे टी 20 में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत हासिल की थी। 187 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को चौथे ओवर में 33 के स्कोर पर पहला झटका लगा। अभिषेक शर्मा 16 गेंदों में 25 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद छठे ओवर में शुभमन गिल और आठवें ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव पवेलियन लौट गए। गिल ने 12

गेंदों में 15 रन और सूर्यकुमार ने 11 गेंदों में 24 रन बनाए। तिलक वर्मा और अक्षर पटेल ने मिलकर भारत के स्कोर को 10 ओवर तक 100 रन के पार ले गए। हालांकि अक्षर 111 के कुल स्कोर पर 17 रन बनाकर आउट हो गए,वहीं तिलक वर्मा 29 रन बनाकर आउट हुए। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद वॉशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा ने 43 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। वॉशिंगटन ने 23 गेंदों में 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 49 रन की नाबाद पारी खेली, जबकि जितेश ने 13 गेंदों में नाबाद 22 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने सबसे ज्यादा तीन विकेट हासिल किए, जबकि मार्कस स्टोइनिस और जेवियर बार्टलेट ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 186 रन बनाए। मेजबान टीम की शुरुआत खराब रही और शुरुआती तीन ओवरों में ही दो झटके लगे। ट्रेविस हेड 6 रन और जोश इंग्लिस मात्र एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श और टिम डेविड ने पारी को संभाला और सातवें ओवर तक टीम का स्कोर 50 रन के पार पहुंचाया।

हालांकि, नौवें ओवर में लगातार दो गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया को दो झटके लगे। मार्श 11 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अगली ही गेंद पर मिचेल ओवेन क्लीन बोल्ड हो गए। टिम डेविड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 8 चौके और 5 छक्कों की मदद से 74 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मार्कस स्टोइनिस और मैथ्यू शॉर्ट ने छठे विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी की।

स्टोइनिस ने 39 गेंदों में 8 चौके और 2 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए। शॉर्ट ने 15 गेंदों में 26 रन और जेवियर बार्टलेट 3 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 3 विकेट झटके। वरुण चक्रवर्ती को 2 विकेट मिले, जबकि शिवम दुबे ने एक विकेट अपने नाम किया।

नजमुल हुसैन शांतो की बांग्लादेश के टेस्ट कप्तान के रूप में वापसी

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने घोषणा की है कि नजमुल हुसैन शांतो 2025-2027 आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र खत्म होने तक बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान बने रहेंगे। शान्तो इससे पहले बांग्लादेश के कप्तान थे,लेकिन जून में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद उन्होंने टेस्ट कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, अब बीसीबी ने दोबारा उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंप दी है। बीसीबी अध्यक्ष मोहम्मद अमीनुल इस्लाम ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय 27 वर्षीय बल्लेबाज के नेतृत्व और बांग्लादेश के लाल गेंद क्रिकेट के प्रति उनके दृष्टिकोण में बोर्ड के विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि शान्तो ने टेस्ट क्रिकेट में धैर्य, प्रतिबद्धता और गहरी समझ दिखाई है। उनके नेतृत्व में हमने टीम के प्रदर्शन में विकास, विश्वास और निरंतरता देखी है। बोर्ड का मानना है कि इस वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में आगे बढ़ने के साथ नेतृत्व में निरंतरता महत्वपूर्ण होगी। नजमुल हुसैन शान्तो ने कहा, मुझे बांग्लादेश टेस्ट टीम को लीड करते रहने पर सच में बहुत गर्व महसूस हो रहा है और मैं बोर्ड का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मेरी कप्तानी पर भरोसा किया है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में

अपने देश की कप्तानी करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा गर्व है और मुझे जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे निभाने के लिए मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा। इतनी प्रतिभा और क्षमता वाली टीम का नेतृत्व करना खुशी की बात है और मुझे विश्वास है कि हमारा आने वाला सीजन बहुत रोमांचक और अच्छा होगा। हम इस महीने के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज का इंतजार कर रहे हैं, जो बांग्लादेश टेस्ट क्रिकेट के लिए एक व्यस्त और महत्वपूर्ण समय की शुरुआत है।

रणजी ट्रॉफी में यशस्वी बल्ले से बरपा रहे कहर

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इन दिनों शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। हाल ही में वह टीम इंडिया के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए थे, जहां उन्हें वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया था। हालांकि,दुर्भाग्यवश उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन भारत लौटते ही यशस्वी ने रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम मुंबई के लिए जोरदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को एक बार फिर अपनी काबिलियत का अहसास कराया। रणजी ट्रॉफी के एलीट ग्रुप डी के मुकाबले में राजस्थान के खिलाफ खेलते हुए यशस्वी ने 67 रनों की शानदार पारी खेली। इस पारी में उन्होंने 97 गेंदों का सामना किया और 8 चौके व 1 छक्का लगाया। शुरुआत में उन्होंने मुशीर खान के साथ मिलकर मुंबई के लिए पहले विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी की। मुशीर 97 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन यशस्वी ने अपनी लय बनाए रखी और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल ने पहले ही खुद को टीम इंडिया के लिए एक भरोसेमंद ओपनर के रूप में स्थापित कर लिया है। इस साल उन्होंने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए सबका ध्यान खींचा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की तीन पारियों में उन्होंने 219 रन बनाए, जिसमें 175 रन की यादगार पारी शामिल थी। इसी तरह, इंग्लैंड के खिलाफ

भी उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी की थी और 10 पारियों में कुल 411 रन बनाए थे, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल थे। लाल गेंद क्रिकेट में यशस्वी की निरंतरता और आत्मविश्वास ने उन्हें भारत के टेस्ट बल्लेबाजी क्रम का अहम हिस्सा बना दिया है। अब रणजी ट्रॉफी में उनकी वापसी यह साफ दर्शाती है कि यह युवा बल्लेबाज न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्कि घरेलू क्रिकेट में भी लगातार अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार है। यशस्वी का यह प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए आने वाले समय में शुभ संकेत है, खासकर तब जब भारतीय क्रिकेट को युवा और भरोसेमंद सलामी बल्लेबाजों की जरूरत है।

केन विलियम्सन ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लिया

टेस्ट-वनडे खेलते रहेंगे,बोले...पूरा फोकस टेस्ट क्रिकेट और परिवार पर रहेगा

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन वह टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनका ध्यान टेस्ट क्रिकेट और अपने परिवार पर रहेगा। विलियम्सन दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से वापसी करेंगे।

विलियम्सन 2024 टी-20 वर्ल्ड कप में आखिरी बार खेले थे

विलियम्सन ने आखिरी बार पिछले साल के टी-20 वर्ल्ड कप में टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने 2011 में इस फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था और कुल 93 टी-20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया, जिनमें 75 मैचों में उन्होंने कप्तानी की। विलियम्सन ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जिसका मैं लंबे समय से हिस्सा रहा हूं और मैं उन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं। यह मेरे और टीम के लिए सही

समय है। इससे टीम को आगे की सीरीज और उनके अगले बड़े फोकस, यानी टी-20 वर्ल्ड कप, के लिए स्पष्टता मिलेगी। टीम में बहुत सारा टैलेंट है और इन खिलाड़ियों को आगे लाना तथा उन्हें वर्ल्ड कप के लिए तैयार करना महत्वपूर्ण होगा।'

न्यूजीलैंड के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी : विलियमंसन टी-20 फॉर्मेट में न्यूजीलैंड के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2,575 रन बनाए और उनका औसत 33.44 रहा।

न्यूज़ीलैंड दो बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल तक पहुंचा

विलियम्सन ने 75 मैचों में न्यूज़ीलैंड की कप्तानी की,जिसमें ब्लैक कैप्स ने 39 मैच जीते। उन्होंने 2016 और 2022 के टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2021 वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम का नेतृत्व किया, जहां टीम को हार का सामना करना पड़ा।

कोच ने फैसले को सही बताया

न्यूज़ीलैंड के कोच रोब वाल्टर ने कहा कि विलियम्सन केवल प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि अनुभव और मार्गदर्शन भी टीम के लिए लेकर आते थे। उन्होंने कहा कि यह निर्णय वर्तमान के हिसाब से समझदारी भरा है। विलियम्सन ने पहले ही टी-20 कप्तानी मिशेल सैंटनर को सौंप दी थी और उनके नंबर 3 की जगह अब रचिन रवींद्र संभाल रहे हैं।

ऋषभ पंत ने दमदार वापसी के साथ उड़ाया गर्दा टीम का कमबैक कराकर खुद शतक से चूके

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। भारत ए और साउथ अफ्रीका ए के बीच बीसीसीआई के सीओई ग्राउंड 1 पर खेले जा रहे पहले अनौपचारिक टेस्ट के आखिरी दिन ऋषभ पंत का क्लासिक फॉर्म देखने को मिला। करीब तीन महीने के ब्रेक के बाद पंत ने दो मैचों की सीरीज में भारत ए की कप्तानी करते हुए दमदार वापसी की है। पहली पारी में वह महज 17 रन बनाकर पवेलियन लौट गए थे। वहीं, दूसरी पारी में उन्होंने 113 गेंदों का सामना करते हुए 11 चौके और 4 छक्कों की मदद से 90 रन की पारी खेली। इस पारी के दम पर वह टीम की मैच में वापसी कराने में सफल रहे, लेकिन खुद शतक से चूक गए। आखिरी दिन लंच तक भारत ने 7 विकेट पर 216 रन बना लिए हैं। अब उसे जीत के लिए 59 रन की दरकार है। दक्षिण अफ्रीका ए ने इस दौरे में शानदार प्रदर्शन किया है और भारत ए के सामने 275 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा है। मेजबान टीम तब मुश्किल में आ गई, जब उसने आयुष म्हात्रे, साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को सस्ते में आउट कर दिया। रजत पाटीदार (28) भी आसानी से आउट हो गए। लेकिन, फिर पंत आए, जिन्होंने अपनी शानदार गेंदबाजी से दक्षिण अफ्रीका ए के गेंदबाज़ी आक्रमण को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने तीसरे दिन का अंत 64 रनों के नाबाद स्कोर के साथ किया। आखिरी दिन भारत ए को जीत के लिए 156 रनों की दरकार थी। ऐसे में सारी उम्मीदें पंत पर टिकी थीं और भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट उप-कप्तान शानदार फॉर्म में दिख रहे थे। आयुष बदोनी के साथ उन्होंने पलटवार करने की ठान ली और दिन की दूसरी ही गेंद पर सेले की गेंद पर कवर्स के ऊपर से एक ज़ोरदार छक्का जड़ दिया। चौथे दिन पहले ही ओवर में उन्होंने 14 रन बटोरे और भारत ए ने स्कोर की ओर कदम बढ़ाया। ज्यादा रन बाउंड्री के ज़रिए आए,क्योंकि पंत अपने चिर-परिचित अटैक मोड में दिख रहे थे। पंत की किस्मत ज़्यादा देर तक साथ नहीं दे पाई। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज तियान वान वुरेन 49वें ओवर में आए और उन्होंने पंत को एक शॉर्ट गेंद फेंकी। जिस पर पंत कैच आउट हो गए। उन्होंने 113 गेंदों पर 90 रन बनाए,लेकिन वह शतक बनाने से चूक गए। बता दें कि ऋषभ 14 नवंबर से शुरू होने वाली भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका सीरीज से पहले दो चार दिवसीय मैचों में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की अगुवाई कर रहे हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम घोषित

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। न्यूजीलैंड ने बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली आगामी पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए रविवार को 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टीम से फिन एलन (पैर की चोट), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण बाहर हैं, जबकि तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी को टीम में शामिल किया गया है। दिग्गज खिलाड़ी केन विलियमसन इस सीरीज में नहीं खेलेंगे, क्योंकि उन्होंने रविवार सुबह ही सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी। अनकैप्ड तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ को टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी को कैरेबियाई टीम के साथ वनडे और टेस्ट

सीरीज को ध्यान में रखते हुए टीम से बाहर रखा गया है। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज को लेकर उत्सुक हैं जो अगले साल की शुरुआत में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम की अंतिम श्रृंखला होगी। वॉल्टर ने न्यूजीलैंड क्रिकेट की ओर से जारी बयान में कहा, वेस्टइंडीज जैसी खतरनाक टीम से भिड़ने के पांच मौके मिलना बहुत अच्छी बात है।'' उन्होंने कहा, टी20 वर्ल्ड कप करीब आ रहा है और जाहिर है यह लोगों की सोच का हिस्सा होगा, लेकिन हमें यह पक्का करना होगा कि हमारा फोकस घर पर होने वाली सीरीज पर हो और हम अपने घरेलू फैंस के सामने अच्छा खेलें। ब्लैककैप्स के कोच रॉब वाल्टर ने काइल जैमीसन, नाथन स्मिथ और सोढ़ी की वापसी का स्वागत किया। उन्होंने कहा, काइल इस हफ्ते फिर से बॉलिंग करने लगे हैं और इस सीरीज के लिए उनकी तैयारी अच्छी चल रही है।

नाथन ने टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में अपने इंटरनेशनल करियर की शानदार शुरुआत की है और अगर उन्हें इस सीरीज में टी20 में मौका मिलता है तो हम उन्हें पूरा सपोर्ट करेंगे। सोढ़ी हमारे सबसे ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले खिलाड़ी हैं और उनकी स्किल्स, एनर्जी और अनुभव को टीम में शामिल करना हमेशा बहुत अच्छा होता है। मैट हेनरी को बाहर रखने पर उन्होंने कहा कि मैट ने जुलाई में जिम्बाब्वे दौरे के बाद से टीम के लिए हर मैच खेला है, इसलिए यह उनके लिए थोड़ा ब्रेक लेने का सही समय है। यह भी अच्छी बात है कि उन्हें अपनी पिंडली की चोट को ठीक करने के लिए भी कुछ समय मिलेगा।

न्यूजीलैंड टीम : मिशेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, जिमी नीशम, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, टिम सेफर्ट, नाथन स्मिथ, ईश सोढ़ी।

सीरीज कार्यक्रम : पहला टी20: ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 5 नवंबरदूसरा टी20: ऑकलैंड (न्यूजीलैंड), 6 नवंबरतीसरा टी20: नेल्सन (न्यूजीलैंड), 9 नवंबरचौथा टी20: नेल्सन (न्यूजीलैंड), 10 नवंबरपांचवां टी20: डुनेडिन (न्यूजीलैंड), 13 नवंबर

बाबर आजम ने विराट कोहली को पीछे छोड़ा,टी-20 में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में भारत के विराट कोहली को पीछे छोड़ा। बाबर 40वीं बार 50 से ज्यादा रन बनाए और विराट 39 बार ऐसा कर चुके हैं। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में बाबर ने 47 गेंदों पर 68 रन (9 चौके) की शानदार पारी खेली। उनकी इस पारी की बदौलत पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को 4 विकेट से हराकर तीन मैचों की टी-20 सीरीज 2-1 से जीत ली। यह बाबर का 37वां टी-20 अर्धशतक था और मई 2024 के बाद उनकी पहली फिफ्टी रही। साउथ अफ्रीका 139 रन पर सिमटी टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करने वाली पाकिस्तान टीम का यह निर्णय बिल्कुल सही साबित हुआ। साउथ अफ्रीका की टीम 20 ओवर में 139 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के लिए रीजा हेंड्रिक्स ने 34 और कॉर्बिन बॉश ने 30 रन बनाए।

शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट लिए : पाकिस्तान की ओर से तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 26 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में क्विंटन डी कॉक और लुआन-द्रे प्रिटोरियस को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। उस्मान तारिक ने डेब्यू किया फहीम अशरफ और डेब्यू करने वाले उस्मान तारिक ने दो-दो विकेट हासिल किए। उस्मान ने 26 रन देकर डिवाल्ड ब्रेविस को आउट कर पाकिस्तान को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। वहीं, सलमान मिर्जा और मोहम्मद नवाज को एक-एक विकेट मिला।

बाबर की पारी ने दिलाई जीत

140 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत धीमी रही, लेकिन बाबर आजम ने एक छोर संभाले रखा और टीम को जीत दिलाई। बाबर ने अपनी पारी में तीन लगातार चौके भी लगाए। कप्तान सलमान आगा ने 33 रन, जबकि ओपनर साहिबजादा फरहान ने 18 गेंदों पर 19 रन बनाए। हालांकि पाकिस्तान के पांच बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके। सईम अयूब और मोहम्मद नवाज शून्य पर आउट हुए। अयूब टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान की ओर से सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने उमर अकमल की बराबरी की है। दोनों 10 बार डक पर आउट हुए हैं। अयूब ने यह आंकड़ा 49 पारियों में, जबकि अकमल ने 79 पारियों में हासिल किया था। साउथ अफ्रीका की ओर से कॉर्बिन बॉश और लिजार्ड विलियम्स ने दो-दो विकेट झटके।

टीम इंडिया में आने दरवाजा खटखटा रहा वैभव सूर्यवंशी : धूमल

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। आईपीएल 2025 के बाद से वर्ल्ड क्रिकेट में चर्चा का केंद्र बने 14 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब भारतीय क्रिकेट का अगला बड़ा चेहरा माने जा रहे हैं। आईपीएल में अपने दमदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले वैभव ने इसके बाद अंडर-19 स्तर पर भी लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। लिमिटेड ओवर क्रिकेट के साथ-साथ टेस्ट प्रारूप में भी उन्होंने अपने खेल का ऐसा नमूना पेश किया है,जिससे क्रिकेट विशेषज्ञ और फैंस दोनों ही दंग हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वैभव कब भारतीय सीनियर टीम की नीली जर्सी में नजर आएंगे। आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने हाल ही में इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ की और कहा कि वैभव सूर्यवंशी टीम इंडिया के दरवाजे पर दस्तक दे रहे हैं। उन्होंने कहा,'हम वर्षों से भारतीय क्रिकेट की बेंच स्ट्रेंथ की बात करते रहे हैं, और आज हमारे पास इसका जीता-जागता उदाहरण है एक 14 साल का प्रतिभाशाली खिलाड़ी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए तैयार है।'धूमल ने इस मौके पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अब भी भारतीय क्रिकेट के स्तंभ हैं और उनके अनुभव से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिल रही है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में रोहित शर्मा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। धूमल ने कहा, 'रोहित और कोहली जैसे खिलाड़ी केवल रन नहीं बनाते, बल्कि उदाहरण पेश करते हैं। रोहित ने जिस तरह से इस सीरीज में अपनी क्लास दिखाई, वह बताता है कि उनमें अब भी वैसी ही भूख और जुनून है जैसी करियर की शुरुआत में थी। यही वजह है कि भारतीय क्रिकेट दुनिया में इतनी मजबूती से खड़ा है क्योंकि हमारे पास अनुभव और नई प्रतिभा,दोनों का सही संतुलन है।' वैभव सूर्यवंशी का नाम अब केवल भारत ही नहीं, बल्कि वैश्विक क्रिकेट जगत में गूंज रहा है। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामकता के साथ परिपक्वता भी देखने को मिलती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर वह इसी लय में आगे बढ़ते रहे, तो आने वाले वर्षों में वह भारतीय क्रिकेट के सुपरस्टार बन सकते हैं।

इरफान पठान ने शुभमन गिल की फॉर्म पर उठाए सवाल,कहा...टीम पर बढ़ेगा यशस्वी को वापस लाने का दबाव

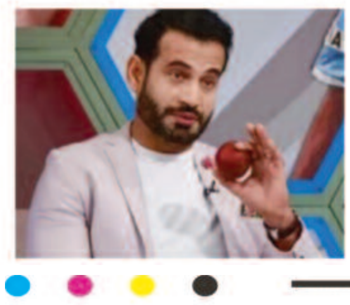

नई दिल्ली,02 नवम्बर 2025। भारतीय टीम के युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल इस समय व्हाइट बॉल क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। वनडे टीम की कप्तानी संभालने के बाद से वह बड़ी पारियां खेलने में नाकाम रहे हैं। लगातार असफलताओं ने न सिर्फ उनके आत्मविश्वास पर असर डाला है, बल्कि टीम मैनेजमेंट के लिए भी नई चुनौती खड़ी कर दी है। बारिश से प्रभावित पहले वनडे में उन्होंने 20 गेंदों पर नाबाद 37 रन बनाए थे, लेकिन मैच रद्द हो गया। वहीं दूसरे मैच में वह मात्र पांच रन बनाकर पवेलियन लौट गए। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने गिल के हालिया प्रदर्शन पर सवाल उठाते हुए कहा है कि अगर उन्होंने जल्द फॉर्म नहीं पकड़ी, तो उन पर टीम में अपनी जगह बचाने का दबाव बढ़ जाएगा। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए इरफान ने कहा, 'शुभमन गिल को संजू सैमसन की जगह ओपनिंग के लिए लाया गया, जिन्होंने पहले तीन शतक जड़े थे। गिल में क्षमता है, नेतृत्व का गुण है और आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 में प्रदर्शन करना होगा। पिछली 10 पारियों में उन्होंने कुल मिलाकर 200 रन भी नहीं बनाए हैं। ऐसे में दबाव बनना लाजमी है। उन्हें मौके और समर्थन मिल रहे हैं, लेकिन अब इन्हें प्रदर्शन में बदलने का समय है।' इरफान ने आगे कहा कि गिल की लगातार विफलता से टीम पर यशस्वी जायसवाल को वापस लाने का दबाव बढ़ेगा।

8000 फीट से कूदेंगे एयरफोर्स के लड़ाके

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव में सूर्य-किरण के शौर्य के साथ दिखेगा आकाश गंगा का पराक्रम

रायपुर,02 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस (राज्योत्सव) के 25 साल पूरे होने पर इस बार राजधानी रायपुर के सेंध तालाब के ऊपर भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एयरोबेटिक टीम आकाश गंगा पहली बार एयर शो करने जा रही है। इसके अलावा एयरफोर्स के स्पेशल लड़ाके भी करीब 8 हजार फीट की ऊंचाई से पैरा जंप करेंगे। रविवार को पैराट्रूपर ट्रेनिंग स्कूल से एक प्रशिक्षक रायपुर पहुंचे हैं,जो करतब दिखाएंगे। उन्होंने पैरा जंपिंग के लिए टेबल पर जगह चिह्नित की और हरी झंडी दिखाई। इसके बाद लगभग 8 लोगों की एक विशेष टीम जल्द ही रायपुर पहुंच सकती है। वायुसेना की टीम 4 नवंबर को रिहर्सल पूरी करेगी। 5 नवंबर को रोबोटिक शो में बॉम्ब बर्स्ट, हार्ट-इन-द-स्काई और एरोहेड जैसे शानदार फॉर्मेशन दर्शकों को जोश और देशभक्ति से भर देंगे। संभागायुक्त महादेव कावरे, आईजी अमरेश मिश्रा, कलेक्टर गौरव सिंह और एसएसपी लाल उम्मेद सिंह ने तैयारियों का जायजा लिया।

2 प्रकार के होते हैं पैरा जंप

जवानों को 2 तरह की जंप की ट्रेनिंग दी जाती है। पहला स्टैटिक लाइन जंप और दूसरा फ्री फॉल। स्टैटिक लाइन जंप सैन्य पैराशूट कि वो तकनीक है, जिसमें जवान प्लेन से कूदते हैं। पैराशूट अपने-आप खुल जाता है। ये सैनिकों को तेजी से और सुरक्षित तरीके से युद्ध क्षेत्र में पहुंचाने के लिए होता है। स्टैटिक लाइन जंप 800-1200 फीट की ऊंचाई से की जाती है। ये बेसिक जंप होती है, और इसमें खतरा भी कम होता है।

रायपुर में फ्री फॉल जंप करेंगे जवान

वहीं फ्री फॉल जंप एक अत्यंत उन्नत सैन्य पैरा-जंपिंग तकनीक है, जिसमें कमांडो विमान से कूदकर काफी ऊंचाई तक बिना पैराशूट खोले गिरते हैं। निर्धारित ऊंचाई पर जाकर पैराशूट खोलते हैं। इसका उद्देश्य गोपनीय ऑपरेशन, रैपिड इनसेर्शन, लॉन्ग-रेंज पैठ और विशेष मिशनों में अदृश्य रूप से जमीन पर उतरना होता है। ये जंप आमतौर पर 10 हजार फीट से अधिक ऊंचाई से की जाती है। कई मौकों पर सैनिक 30 हजार फीट ऊंचाई से भी जंप करते हैं। फ्री-फॉल तकनीक का प्रारंभ द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुआ। 1950-60 के दशक में अमेरिकी और रूसी स्पेशल फोर्सेज ने इसे विकसित किया। अमेरिका की यूएस आर्मी स्पेशल फोर्स और सीआईए ने वियतनाम युद्ध के दौरान इसका तकनीक का विशेष उपयोग किया। इसके बाद यूके, रूसी स्पेत्सनाज और दूसरे प्रमुख देशों की स्पेशल फोर्सेज ने इसे अपनाया।

सूर्य किरण की टीम 40 मिनट तक दिखाएगी करतब

वहीं 5 नवंबर को सुबह 10 बजे सूर्य किरण के 9 फाइटर जेट्स आसमान में एक साथ करतब दिखाएंगे। करीब 40 मिनट तक चलने वाले इस शो में फॉर्मेशन फ्लाइंग और एयरोबेटिक स्टंट्स देखे जा सकेंगे।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने राज्योत्सव का किया शुभारंभ

रायपुर,02 नवम्बर 2025। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस पर बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर में आयोजित जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्योत्सव स्थल पर लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टालों का भी अवलोकन किया। उन्होंने आमचो बस्तर हाट कियोस्क का उद्घाटन कर कलागुड़ी कैटलॉक का विमोचन किया।

उप मुख्यमंत्री साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दंतेश्वरी मैय्या की पवित्र धरा में जिला स्तरीय राज्योत्सव का शुभारंभ किया जा रहा है। हमारा छत्तीसगढ़ अब 25 बरस का हो गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य ने 25 वर्ष में सभी क्षेत्रों में विकास किया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना सहित सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है जिनकी बदौलत देश में राज्य ने नई पहचान बनाई है। तेज गति से विकास के साथ ही बड़े-बड़े उद्योगों के लिए निवेश हो रहे हैं।

साव ने कहा कि दुर्गम क्षेत्रों को सुरक्षा बलों और पुलिस के द्वारा नक्सल मुक्त किया जा रहा है। नक्सलियों के कब्जे वाले क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति दी गई है। बस्तर अब देश और दुनिया में अपनी उत्कृष्ट कला, संस्कृति, हस्तशिल्प और पर्यटन के लिए जाना जा रहा है। पूरे राज्य में रजत महोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लंबी उड़ान के लिए तैयार है। हम सभी को इसे हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए काम करना है। शुभारंभ कार्यक्रम को बस्तर जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मंडावी और जगदलपुर नगर निगम के सभापति ने भी संबोधित कर सभी को राज्योत्सव की बधाई और शुभकामनाएँ दीं। संभागायुक्त डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी.,कलेक्टर हरीश एस. और जिला पंचायत के सीईओ प्रतीक जैन सहित जनप्रतिनिधि,पार्षदगण और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

कोर्ट से 2 बदमाश फरार पुलिसकर्मियों को दिया चकमा

बिलासपुर, 02 नवम्बर 2025। शहर के चकरभाठा पुलिस को चकमा देकर दो आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने दो बदमाशों को प्रतिबंधात्मक धाराओं में गिरफ्तार किया था। पुलिस की टीम आरोपियों को लेकर मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंची थी। तभी जवानों को चकमा देकर बदमाश भाग निकले। इसकी जानकारी मिलते ही जवान सकते में आ गए। जवानों ने आनन-फानन में इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद पुलिस की टीम बदमाशों की तलाश में जुट गई है। चकरभाठा पुलिस ने क्षेत्र के तेलसरा गांव से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों को लेकर पुलिस की टीम मजिस्ट्रेट के कार्यालय पहुंची थी। शनिवार को कार्यालय में अधिकारी मौजूद नहीं थे। इसके चलते जवान अधिकारी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच बदमाशों ने मौके का फायदा उठाकर पुलिस के जवानों को चकमा देकर भाग निकले। इधर बदमाशों के भागने के बाद जवान सकते में आ गए। जवानों ने आनन-फानन में इसकी जानकारी अधिकारियों को दी। इसके बाद थाने से पुलिस बल मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने आसपास में बदमाशों की तलाश की। साथ ही उनके ठिकानों पर दबिश दी। बदमाशों के स्वजन को भी घटना की जानकारी दी गई है। साथ ही उनके आने पर थाने में संपर्क करने की चेतावनी दी गई है। देर रात तक पुलिस की टीम बदमाशों को पकड़ नहीं पाई थी।

दुर्ग पुलिस ने पकड़ा महाठग गिरोह, 'पैसा सौ गुना करने' का झांसा देकर लाखों की ठगी

दुर्ग,02 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पुलिस ने एक ऐसे महाठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है,जो भोले-भाले लोगों को 'पूजा कर पैसा सौ गुना करने' का झांसा देकर लाखों की ठगी कर रहा था। पुलिस ने इस गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से 7 मोबाइल फोन,1 लाख रुपए नकद और एक सफेद अर्टिगा कार जब्त की गई है। पूरा मामला थाना पुलगांव क्षेत्र का है। 1 नवंबर 2025 को स्थानीय निवासी रामकुमार जायसवाल ने थाने में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि कुछ लोगों ने पूजा के नाम पर एक लाख रुपए की ठगी कर ली है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और कुछ ही घंटों में इस ठगी का पर्दाफाश कर दिया। प्रार्थी रामकुमार जायसवाल पेशे से ड्राइवर है और लंबे समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने अपने परिचित राजू (निवासी जामगांव) से अपनी परेशानी साझा की। राजू ने बताया कि महाराष्ट्र में कुछ लोग पूजा-पाठ कर पैसे को 'सौ गुना बढ़ा देते हैं' और चाहें तो वह उनसे संपर्क करा सकता है। राजू ने रामकुमार को महाराष्ट्र निवासी छोटू नामक व्यक्ति का मोबाइल नंबर दिया। जब रामकुमार ने छोटू से बात की, तो उसने उसे एक महिला - मंदा पासवान का नंबर दिया और कहा कि वही पूजा कर पैसे को बढ़ा सकती है। रामकुमार ने मंदा पासवान से संपर्क किया। उसने खुद को यवतमाल (महाराष्ट्र) की रहने वाली बताया और दावा किया कि वह पहले भी कई लोगों के पैसे 'पूजा करके सौ गुना' कर चुकी है। बातचीत में दोनों के बीच 11 लाख रुपए को 11 करोड़ रुपए करने की डील हुई। मंदा ने कहा कि वह दुर्ग आकर पूजा करेगी।

रायपुर : गांव में गाय मांस बेचते गौ सेवक ने पकड़ा,विधानसभा थाना क्षेत्र का मामला

रायपुर,02 नवम्बर 2025। विधानसभा थाना क्षेत्र के छपोरा गांव में एक घर से भारी मात्रा में गाय का मांस मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार शिव सैनिक और गौ सेवक मांस के साथ थाने पहुंचे और मामले की सूचना दी। इंदल चंद नाम के व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। राजधानी रायपुर से लगे छछानपैरी गांव में युवक की हत्या के मामले में एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वारदात के समय आरोपी संजय नेताम के साथ उसके दो भाई कोमल नेताम और छोटू नेताम भी घटनास्थल पर मौजूद नजर आ रहे हैं। वहीं, पुलिस की टीम ने केवल संजय नेताम को गिरफ्तार किया है और उसके दोनों भाइयों पर कोई कार्रवाई नहीं की है। मृतक के परिजनों ने पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं।

नक्सल सरेंडर पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

बैज ने पूछा-क्या झीरम 2 की तैयारी में है सरकार, भाजपा ने कहा-कांग्रेस देश तोड़ने वालों के साथ

रायपुर,02 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के सरेंडर को लेकर सियासत गरमा गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नक्सलियों के लगातार हो रहे आत्मसमर्पण के पीछे कहीं कोई बड़ी साजिश तो नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार 'झीरम 2' की तैयारी में है? ' दीपक बैज ने कहा कि हाल के दिनों में नक्सलियों के सरेंडर की खबरें लगातार आ रही हैं, लेकिन इसके पीछे सरकार की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी ऑपरेशन बंद कर दिए गए हैं, तो सरकार और नक्सलियों के बीच आखिर कौन-सी शांति वार्ता हुई है? जब 200 नक्सली आत्मसमर्पण कर रहे थे, तब मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों मौजूद थे, फिर वे मौके पर क्यों नहीं पहुंचे? उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिकता क्यों निभाई गई? उन्होंने आगे सवाल किया कि रूपेश उर्फ अभय, जो एक सक्रिय नक्सली कमांडर बताया जा रहा है, उसे बड़े मीडिया के सामने पेश क्यों नहीं किया गया। बैज ने कहा कि जनता को यह जानने का हक है कि सरकार नक्सलियों के मामले में आखिर किस नीति पर काम कर रही है।

अरुण साव ने पलटवार किया, कहा...कांग्रेस नक्सल समर्थकों के साथ

दीपक बैज के इस बयान पर डिप्टी सीएम अरुण साव ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा देश तोड़ने वालों के साथ नजर आती है। सरगुजा से हमने नक्सलवाद खत्म किया है, अब बस्तर से भी उसे जड़ से मिटा देंगे। साव ने कहा कि भाजपा सरकार नक्सलवाद के खिलाफ पूरी ताकत से काम कर रही है।

208 नक्सलियों ने किया था आत्मसमर्पण,153 हथियार किए जमा : हाल ही में छत्तीसगढ़ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। 208 नक्सलियों ने एक साथ सरेंडर किया, जिनमें 98 पुरुष और 110 महिलाएं शामिल थीं। आत्मसमर्पण के दौरान 153 हथियार भी पुलिस को सौंपे गए। इनमें एके-47, एसएलआर इंसास राइफल, बीजीएल लॉन्चर और 12 बोर गन जैसी घातक हथियार शामिल थे।

झीरम घाटी हमला...एक दशक बाद भी अनसुलझे सवाल

25 मई 2013 को बस्तर की झीरम घाटी में नक्सलियों ने कांग्रेस नेताओं के काफिले पर हमला कर 33 लोगों की हत्या कर दी थी। यह हमला देश के सबसे बड़े राजनीतिक नरसंहारों में से एक माना जाता है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि झीरम की सच्चाई आज भी दफन है और कई सवालों के जवाब सरकार को देने बाकी हैं।

प्रभारी मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने स्कूली छात्राओं को वितरित किया साईकिल

बलौदाबाजार,02 नवम्बर 2025। जिले क़े प्रभारी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज जिला प्रवास क़े दौरान विकासखण्ड कसडोल क़े शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय हसुआ में सायकिल वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत 92 छात्राओं को साईकिल वितरण किया। प्रभारी मंत्री जायसवाल ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शाला हसुवा में साइकिल स्टैंड निर्माण हेतु 10 लाख, बाउंड्रीवाल निर्माण हेतु 4 लाख, पेवर ब्लॉक हेतु 10लाख,जर्जर स्कूल भवन का जीर्णोद्धार हेतु 10 लाख रुपये, ग्राम पंचायत बलौदा में पंचायत भवन निर्माण हेतु 19 लाख रुपये देने की घोषणा की। इसके साथ ही टूण्ड्रा में खाद गोदाम निर्माण हेतु शासन क़े प्रावधान अनुसार प्रस्ताव तैयार करने क़े निर्देश दिये। प्रभारी मंत्री ने कहा की हमारी सरकार ने प्रदेश क़े चहुंमुखी विकास क़े लिये प्रतबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल सहित तमाम विकास कार्यों में तेज प्रगति आई हैं और यह निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम को जांजगीर चाम्पा सांसद कमलेश जांगड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, पूर्व विधायक डॉ सनम जांगड़े सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी -कर्मचारी उपस्थित थे।

दोस्त को चाकू से काटा...पेट्रोल से जलाया शव, श्मशान-घाट पर पिलाई शराब, फिर 3 साथियों ने कमीशन के लिए मार-डाला

जशपुर,02 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में 3 दोस्तों ने अपने साथी को चाकू से काटकर मार डाला, फिर श्मशान घाट के पास लाश पर पेट्रोल डालकर जला दिया। आरोपियों ने कमीशन के पैसों को लेकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम सीमित खाखा (28) है, जो जशपुर के सीटोंगा गांव का रहने वाला था। वह कुछ दिन पहले अपने साथियों के साथ झारखंड के हजारीबाग काम करने गया था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। मर्डर के आरोप में पुलिस ने 3 लोगों को अरेस्ट किया है। दरअसल, सीमित खाखा अपने 3 दोस्तों के साथ झारखंड काम करने गया था, जहां से काम के बाद घर लौट आए थे। इसी बीच 17 अक्टूबर की शाम चारों दोस्त बांकीटोली पुलिया के पास इकठ्ठा हुए। चारों ने शराब पीने की प्लानिंग की। बांकीटोली पुलिया के पास श्मशान घाट में शराब पी रहे थे। इस दौरान झारखंड में काम के दौरान कमीशन के पैसों को लेकर बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि 3 दोस्तों ने मिलकर सीमित खाखा को पीटना शुरू कर दिया। इस बीच 3 दोस्तों ने मिलकर खाखा को लोहे के छड़ और चाकू से मारा। पुलिस के मुताबिक रामजीत राम (25) ने खाखा के सीने में चाकू घोंपा। वहीं वीरेंद्र राम (24) ने लोहे की छड़ से मारा। वह मर्डर के लिए पहले से ही बैग में रखा था।

नेशनल गेम्स में बस्तर के खिलाड़ियों ने जीते 16 मेडल

आदिवासी कायाकिंग एंड कैनोइंग चैंपियनशिप, प्रदेश को मिले 18 मेडल, इनमें 2 सिल्वर, 18 ब्रॉन्ज

रायपुर,02 नवम्बर 2025। हैदराबाद के हुसैन सागर झील में दो दिन तक चले पहले राष्ट्रीय आदिवासी कायाकिंग एंड कैनोइंग चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन किया। सब जूनियर, जूनियर और सीनियर कैटेगरी की महिला और पुरुष स्पर्धाओं में राज्य के खिलाड़ियों ने कुल 18 पदक अपने नाम किए। पहले दिन जहां खिलाड़ियों ने 10 पदक जीते। वहीं दूसरे दिन भी दमदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 8 पदक हासिल किया। इस तरह कुल 18 मेडल के साथ छत्तीसगढ़ ने पानी पर अपनी ताकत साबित कर दी। इनमें दो मेडल मिक्स डबल में आए हैं।

इन 18 में से 16 मेडल बस्तर के खिलाड़ियों ने जीते। पूरे प्रदेश से 14 खिलाड़ियों ने इस प्रतिस्पर्धा में हिस्सा लिया था। इनमें से 9 ने मेडल जीते हैं। बस्तर में साल 2021 से कायाकिंग एंड कैनोइंग की ट्रेनिंग शुरू हुई थी। कम समय में ही खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया है।

चैंपियनशिप के कुछ समय पहले ही फंड की कमी के चलते खिलाड़ियों की ट्रेनिंग तक रोकनी पड़ी थी। लेकिन इसके बाद भी खिलाड़ियों ने सकारात्मक प्रदर्शन किया।

साल 2021 में हुई थी शुरुआत

कायाकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन के सहसचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी ने बताया कि, चार साल पहले बस्तर में तत्कालीन कलेक्टर रजत बंसल की मदद से दलपत सागर जगदलपुर में कायाकिंग एंड कैनोइंग गेम शुरू किया गया था। उनकी ही मदद से कोच भी नियुक्त हुए। इसके बाद बच्चों की ट्रेनिंग शुरू की गई। कोच अशोक कुमार साहू साल 2021 से ट्रेनिंग दे रहा हूं। भी 30 बच्चे ट्रेनिंग ले रहे हैं। साल 2023 में दस महीने तक बिना पेमेंट भी ट्रेनिंग दी थी। लेकिन बाद ट्रेनिंग रोकनी पड़ी। छत्तीसगढ़ से 14 बच्चे गए थे। 9 बच्चों ने मेडल जीता है। इसमें ज्यादातर बस्तर से ही हैं।

बेरहमी से युवक की धारदार हथियार से हत्या,नगरी पुलिस ने शुरू की जांच

धमतरी,02 नवम्बर 2025। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले से एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई है। जिले के नगरी थाना क्षेत्र के ग्राम छिपली में एक 34 वर्षीय युवक की धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और ग्रामीणों में भय और आक्रोश का माहौल है। मृतक की पहचान सनी लहरे उर्फ सुयश लहरे (34 वर्ष), निवासी ग्राम छिपली के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत नगरी थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना पर थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक के शरीर पर धारदार हथियार से किए गए कई वारों के निशान मिले हैं। इससे स्पष्ट है कि युवक की हत्या बेहद क्रूर तरीके से की गई है। घटना स्थल पर खून के कई निशान पाए गए हैं, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि हत्या गांव के ही किसी सुनसान इलाके में की गई और फिर शव को वहीं छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल हत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है,लेकिन पुलिस ने सभी संभावित पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। इसमें पारिवारिक विवाद, व्यक्तिगत रंजिश, पुरानी दुश्मनी या आपसी झगड़े जैसी संभावनाओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने गांव के कई लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक सनी लहरे गांव में खेती-किसानी का काम करता था और उसका किसी के साथ गंभीर विवाद की जानकारी पहले नहीं मिली थी। हालांकि,पुलिस ने कहा है कि पिछले कुछ समय में मृतक का कुछ लोगों से मनमुटाव हुआ था,जिसे लेकर जांच जारी है। घटना की खबर फैलते ही गांव में बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की वारदात ने पूरे क्षेत्र में असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। उन्होंने मांग की है कि पुलिस गांव में गश्त बढ़ाए और हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दिलाई जाए। नगरी पुलिस ने मामले में धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की मदद भी ली जा रही है ताकि आरोपी तक जल्द पहुंचा जा सके। थाना प्रभारी ने कहा, 'घटना अत्यंत गंभीर है। हमने जांच के लिए विशेष टीम गठित की है। प्रारंभिक साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। सभी संदिग्धों से पूछताछ जारी है। जल्द ही आरोपी या आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।' घटना से गांव में शोक और आक्रोश दोनों माहौल है।

मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने कहा कि सनी लहरे मेहनती और मिलनसार व्यक्ति था, उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। परिवार ने पुलिस से मांग की है कि अपराधियों को जल्द पकड़कर उन्हें फांसी जैसी कठोर सजा दी जाए। इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2023-2025-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)